TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | कृषि विशेषज्ञों ने परखीं तकनीकें .... (पेज-3) | पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-27 | मूल्य ₹7 | रविवार | दिनांक- 26.07.2026

योगी ने आगरा को दीं 342 करोड़ की 53 विकास परियोजनाओं की सौगात

- आगरा को मिला इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़ा संकेत
- 342 करोड़ की 53 विकास परियोजनाओं की सौगात

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय आगरा दौरे के पहले दिन शनिवार को यहां विकास, कानून-व्यवस्था और प्रदेश की भावी योजनाओं को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कीं। फतेहाबाद रोड स्थित टाटा मैदान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आगरा के लिए सबसे बड़ा संकेत देते हुए कहा कि "आगरा में सिर्फ एयरपोर्ट ही नहीं बनेगा, बल्कि हम यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।" मुख्यमंत्री के इस बयान से आगरा के पर्यटन, उद्योग और व्यापार जगत में नई उम्मीद जगी है। मुख्यमंत्री ने लगभग 342 करोड़ रुपये की लागत वाली 53 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं आगरा के विकास को नई गति देंगी और आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाएंगी। उन्होंने सभी नागरिकों को इन परियोजनाओं की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार विकास और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

'राधे-राधे' से शुरू हुआ संबोधन

ब्रजभूमि की सांस्कृतिक परंपरा का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरूआत 'राधे-राधे' कहकर की। जैसे ही उन्होंने मंच से यह शब्द बोले, पूरा कार्यक्रम स्थल 'राधे-राधे' के जयघोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज की पावन धरती पर आना हमेशा उनके लिए सौभाग्य की बात होती है। उन्होंने कहा कि ‘‘चरणों की इस पावन धरा को नमन करने का अवसर मिला है। आप सभी का हृदय से अभिनंदन करता हूं और इन विकास परियोजनाओं के लिए शुभकामनाएं देता हूं।;;

इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बदलेगी आगरा की तस्वीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आगरा को केवल घरेलू विमानन सुविधा तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट देने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन, उद्योग, निर्यात और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा ताजनगरी को वैश्विक पहचान और मजबूती मिलेगी।

अपराधियों को दो टूक संदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून-व्यवस्था पर सरकार का सख्त रुख दोहराते हुए कहा कि प्रदेश में बहन-बेटियों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ₹जो लोग बहन-बेटियों या व्यापारियों पर बुरी नजर डालते हैं, उनकी जगह या तो जेल में है या फिर जहन्नुम में। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति लागू है और कानून से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

2017 से पहले की सरकारों पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विपक्ष पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में आम जनता की समस्याओं पर कोई सुनवाई नहीं होती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय ₹सैफई सिंडीकेट₹ जनता की मेहनत की कमाई की लूट-खसोट में लगा रहता था। आज प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था स्थापित की गई है, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंच रहा है।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और विकास कार्यों की जानकारी ली तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

बच्चों से मिले, चॉकलेट बांटी

प्रदर्शनी के दौरान मुख्यमंत्री बच्चों के बीच भी पहुंचे। उन्होंने बच्चों से बातचीत की, उनकी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा तथा उन्हें चॉकलेट वितरित कर उत्साहित किया। बच्चों से मुख्यमंत्री का आत्मीय व्यवहार कार्यक्रम का आकर्षण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक शिशु का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया। उन्होंने चांदी की चम्मच से बच्चे को खीर खिलाकर भारतीय परंपरा के इस संस्कार को संपन्न कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों का बेहतर पोषण और स्वस्थ विकास सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। अन्नप्राशन भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण संस्कार है, जो शिशु के जीवन में ठोस आहार की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस भावुक क्षण का तालियों के साथ स्वागत किया।

जरदोजी कला का भेंट स्वरूप मिला भगवान श्रीकृष्ण का चित्र

आगरा प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पारंपरिक स्वागत किया गया। उन्हें आगरा की प्रसिद्ध जरदोजी कला से निर्मित भगवान श्रीकृष्ण का चित्र भेंट किया गया। इस अवसर पर मंडलायुक्त नागेंद्र प्रताप, जिलाधिकारी मनीष बंसल सहित जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सांसद राजकुमार ने उठाई आलू प्रोसेसिंग यूनिट की मांग

कार्यक्रम के दौरान फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र में आलू प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि आगरा और आसपास के जिलों में बड़े पैमाने पर आलू का उत्पादन होता है, लेकिन प्रसंस्करण इकाइयों के अभाव में किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाता। यदि क्षेत्र में आधुनिक प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित होती है तो किसानों को बेहतर दाम मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई गति मिलेगी।

कमिश्नरी में सीएम योगी ने ली मैराथन समीक्षा बैठक, जल निगम को लगाई कड़ी फटकार

- सीएम योगी बोले- उखड़ी सड़कें ठीक करें, नहीं तो दर्ज होगी एफआईआर
- जल जीवन मिशन के कार्यों पर जताई गहरी नाराजगी, कहा- जिस हालत में थी सड़क, वैसी ही बनाकर दें ठेकेदार
- रेहड़ी-पटरी वालों को उजाड़ने की बजाय उन्हें उचित वेंडिंग जोन में बसाने के दिए निर्देश
- स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व और कानून-व्यवस्था की समीक्षा, जनप्रतिनिधियों से कहा- जनसुनवाई को दें प्राथमिकता

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने आगरा दौरे के दौरान कमिश्नरी सभागार में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में विकास परियोजनाओं, जन-कल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था की मैराथन समीक्षा करते हुए सीएम ने सख्त तेवर दिखाए और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुविधाओं और विकास कार्यों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जल निगम पर बरसे सीएम, कहा- ब्लैकलिस्ट करें ठेकेदारों को

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत पेयजल पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की मरम्मत में लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जल निगम के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि केवल रोड कटिंग कर उसे मोटरेबल बना देना पर्याप्त नहीं है। यदि सीसी (सीमेंट कंक्रीट) सड़क तोड़ी गई है, तो ठेकेदार को उसे सीसी सड़क ही बनाकर देनी होगी। सीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कार्य संतोषजनक नहीं मिलता है, तो ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करें और संबंधित अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज कराएं।

रेहड़ी-पटरी वालों का पुनर्वास और स्वास्थ्य व शिक्षा पर जोर

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशील होने का निर्देश देते हुए कहा कि फुटपाथों पर दुकान लगाने वाले रेहड़ी-पटरी दुकानदारों को उजाड़ा न जाए, बल्कि उन्हें उचित वेंडिंग जोन बनाकर विस्थापित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने आयुष्मान कार्ड और पैनल वाले अस्पतालों के भुगतानों का सत्यापन कर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग को लेकर उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम से भेजे गए पैसों का उपयोग सुनिश्चित कराने के लिए अभिभावकों के साथ बैठकें की जाएं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और आगरा के विकास पर चर्चा

सीएम योगी ने कहा कि टीटीजेड और सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले संतोषजनक हैं। उन्होंने मंडलायुक्त को निर्देश दिए कि न्यायालय के ऐसे फैसलों की निरंतर निगरानी करें जो आगरा को प्रभावित करते हैं, ताकि प्रभावी पैरवी से शहर का विकास न रुके। उन्होंने कहा कि आगरा में लेदर प्रोडक्ट और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की अपार संभावनाएं हैं, इसलिए उद्योगों को बढ़ावा देने की ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। बैठक में सीएम ने अवैध खनन पर रोक, जनसुनवाई को प्राथमिकता देने, अधिग्रहीत भूमि का किसानों को वर्तमान दर पर भुगतान करने और कांवड़ यात्रा की बेहतर तैयारियों के निर्देश भी दिए।

बैठक में पर केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, जनपद प्रभारी मंत्री एवं एमएसएमई मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद नवीन जैन, सांसद राजकुमार चाहर, कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य, मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति, विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह, विधायक चौधरी बाबूलाल, पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, छोटेलाल वर्मा, रानी पक्षालिका सिंह,डॉ. जीएस धर्मेश, एमएलसी विजय शिवहरे, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. मंजू भदौरिया, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह और जिले के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

'मान ली गई हैं हमारी मांगें': सीजेपी ने किया विरोध प्रदर्शन खत्म करने का एलान

एजेंसी, नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक विवाद और पिछले कई हफ्तों से चल रहे भारी विरोध प्रदर्शनों और चौतरफा दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेज दिया है। मेडिकल छात्रों के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर सरकार की चौतरफा आलोचना हो रही थी और इस इस्तीफे को परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही तय करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि, पेपर लीक के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने शुरू से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और अपने फैसले पर अड़ी रही। आज सरकार और सीजेपी के तीसरे दौर की वार्ता से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा सौंपा है।

बातचीत की टेबल पर क्या-क्या हुआ?

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने शनिवार को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सीजेपी के सौरव दास शामिल थे। दोनों पक्षों के बीच बातचीत का तीसरा दौर सकारात्मक रहा। वार्ता के तुरंत बाद सीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर धरना समाप्त करने की घोषणा की। पार्टी ने देश भर से आए प्रदर्शनकारियों से शांतिपूर्वक अपने घर लौटने की अपील की है।

सीजेपी प्रवक्ता ने क्या-क्या कहा?

सौरव दास ने सरकार से बातचीत की सारी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि हमारी दूसरी मांग यह थी कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर न केवल दिल्ली में बल्कि सभी भाजपा-शासित और भाजपा-सहयोगी राज्यों में वापस ली जानी चाहिए। सरकार ने उस मांग को भी मान लिया है। साथ ही, इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा।

दास ने कहा कि सरकार ने हमें भरोसा दिलाया है कि वह दर्ज सभी एफआईर की कॉपी शेयर करेगी। हमारी आखिरी जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 15 से 20 एफआईआर दर्ज की गई थीं और हमें किसी भी हाल में तीन से चार दिनों के भीतर वे कॉपी मिल जाएंगी। सरकार ने यह भी भरोसा दिलाया है कि इन्हें जल्द ही वापस ले लिया जाएगा। इसे समझते हुए, हमने सरकार के साथ एक ड्राफ्ट शेयर किया है। सरकार ने कहा है कि वह मंगलवार तक इसे हमारे साथ शेयर करेगी। हमें उम्मीद है कि मंगलवार तक हमें इन एफआईआर और भविष्य की किसी भी कार्रवाई के संबंध में सरकार की गारंटी मिल जाएगी।

हम अपना आंदोलन वापस ले रहेः सौरव दास

सरकार के साथ बातचीत के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने यह भी कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी यह घोषणा करती है कि हम अच्छे विश्वास के साथ अपना आंदोलन वापस ले रहे हैं और यह मानते हुए कि तय की गई शर्तों को तय समय-सीमा के भीतर लागू किया जाएगा।'

वहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन आखिरकार खत्म हो गया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को अपना आंदोलन तुरंत प्रभाव से वापस लेने का बड़ा एलान किया। यह घोषणा केंद्र सरकार के साथ तीसरे दौर की बातचीत के बाद हुई। इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया पर साझा किया पत्र

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने अपने इस्तीफे का पत्र जारी किया। जिसमें उन्होंने लिखा- मेरे युवा साथियों, मैं पिछले चार दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

'देश के युवाओं की अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं'

उन्होंने कहा, मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ, उसके लिए मैं प्रधानमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।

नीट पेपर लीक पर क्या बोले धर्मेंद्र प्रधान?

उन्होंने आगे लिखा, तीन मई 2026 को हुई नीट-यूजी की परीक्षा में अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तारीख की घोषणा की। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।

री-नीट पर धर्मेंद्र प्रधान ने क्या कहा?

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए 'पूरी सरकार का समन्वित दृष्टिकोण' के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, खासकर जिला प्रशासन की अहम भूमिका रही। उन्होंने आगे कहा, साथ ही छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई।

धर्मेंद्र प्रधान बोले- छात्रों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

पहले ही दिन से मैंने इसकी जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने आगे लिखा, 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे, जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली।

उच्च शिक्षा के 1.28 लाख शिक्षकों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा, मुख्यमंत्री आज आगरा में करेंगे योजना का शुभारंभ

टीएनएफ टुडे, आगरा/लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 26 जुलाई को आगरा में उच्च शिक्षा विभाग की 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना' का शुभारंभ करेंगे। इस योजना के लागू होने के बाद प्रदेश के विश्वविद्यालयों, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों, स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत 1.28 लाख से अधिक शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए पंजाब नेशनल बैंक के साथ एमओयू का भी आदान-प्रदान होगा।

योजना के लागू होने के बाद पात्र शिक्षकों और उनके परिवारों को सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में चिकित्सा प्रतिपूर्ति की सुविधा उपलब्ध न होने के कारण इलाज का आर्थिक भार शिक्षकों को स्वयं वहन करना पड़ता है। नई व्यवस्था से उन्हें समय पर बेहतर उपचार और आर्थिक सुरक्षा दोनों मिलेंगी।

योगी सरकार का मानना है कि शिक्षकों की स्वास्थ्य सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा सुविधा योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच देने के साथ आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करेगी। यह पहल शिक्षक कल्याण और उच्च शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगी।

प्रति परिवार पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर

योजना के अंतर्गत पात्र प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर उपलब्ध कराया जाएगा। कार्ड बनने के बाद पहले दिन से ही निर्धारित स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया जा सकेगा। अस्पताल में भर्ती होने से लेकर उपचार, दवाइयों और डिस्चार्ज तक का पूरा खर्च योजना के अंतर्गत वहन किया जाएगा।

झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए...

एजेंसी, नई दिल्ली।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अभिजीत दीपके का पहला रिएक्शन सामने आया है। प्रधान के इस्तीफे पर अभिजीत दीपके ने कहा कि झुकती है दुनिया बस झुकाने वाला चाहिए। सीजेपी फाउंडर ने कहा, 'कहा जाता था कि इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते। लेकिन इस्तीफा हुआ है। कहते थे कब तक

बैठोगे। 36 दिन हर दिन मुझसे सवाल पूछा जाता था कि इस्तीफा नहीं होगा। लेकिन सरकार झुक गई। क्या कहते थे कि क्रांति नहीं होगी। लेकिन क्रांति हो गई।' अभिजीत दीपके और उनके समर्थक दिल्ली के जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मना रहे हैं। विरोध प्रदर्शन स्थल पर खुशी का माहौल है। अभिजीत दीपके ने जंतर-मंतर से कहा 'जब मैं अमेरिका से निकला था, तब कहा जा रहा था क्या होगा। लेकिन धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।' अभिजीत दीपके और उनके साथी फिलहाल जंतर-मंतर पर जश्न मना रहे हैं। इससे पहले प्रधान ने इस्तीफा के साथ-साथ एक लेटर भी शेयर किया है।

किसने क्या कहा

यह लोकतंत्र की जीत है, सीधा लोकतंत्र... जो सड़कों से निकला है। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और देश की 'जेन जी'को बधाई;

और उन सभी नागरिकों का धन्यवाद जिन्होंने डर और डर के डर को त्यागकर देश के हर कोने से आवाज उठाई। जवाबदेही से अब सुधार की ओर।

-सोनाम वांगचुक

देर आये दुरुस्त आये। आखिरकार धर्मेंद्र प्रधान ने त्यागपत्र दे दिया है। आशा करता हूं कि प्रधानमंत्री जी भी इस पर शीघ्र ही समयोचित निर्णय लेंगे। उन सभी छात्रों को बधाई देता हूं कि उन्होंने आंदोलन को शांतिपूर्वक समाप्त कर दिया। मैं आशा करता हूं कि अब भारतीय शिक्षा जगत में शीघ्र शांति स्थापित हो जाएगी। इसके साथ ही छात्रों को अपने उज्जवल भविष्य तथा प्रगति के लिए व्यापक अवसर मिले।

-मुरली मनोहर जोशी

आप सभी को बधाई। हमारे देश के युवाओं को बधाई। यह बहुत खुशी की बात है कि आपके संघर्ष का फल मिला

है। आखिरकार धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। यह हमारे लोकतंत्र की एक बड़ी जीत है। हमारे देश के लोगों का लोकतंत्र से भरोसा उठने लगा था। उन्हें लगता था कि सरकारें उनकी बात नहीं सुनतीं।

- अरविंद केजरीवाल

गौ सम्मान आह्वान अभियान कल से

दूसरे चरण के लिए तैयारियाँ पूरी की गई, 15 करोड़ से अधिक हस्ताक्षरों का रखा लक्ष्य

टीएनएफ टुडे, आगरा।

गौमाता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से देशव्यापी स्तर पर संचालित गौ सम्मान आह्वान अभियान के द्वितीय चरण की सभी तैयारियाँ अब पूर्ण हो चुकी हैं। देशभर के सभी जिलों में स्थानीय कार्यकारिणियों द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया गया है। संबंधित जिला प्रशासन से आवश्यक अनुमति भी प्राप्त कर ली गई है। 27 जुलाई को भारत के प्रत्येक जिले में संबंधित जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संबंधित राज्य के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को जनता की ओर से हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना-पत्र एवं ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

विदित हो कि पिछले लगभग छह माह से देशभर के संतों, गोसेवकों एवं गोभक्तों के नेतृत्व में गौ सम्मान

आह्वान अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण भारत में गौहत्या निषेध हेतु केंद्रीय कानून का निर्माण, गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान प्रदान करना, गोचर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराना, केंद्रीय गो मंत्रालय की स्थापना, केंद्रीय गो-चारा नीति का निर्माण तथा कृषि, चिकित्सा, पर्यावरण, शिक्षा एवं मानव जीवन से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों को गो-केंद्रित राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बनाने सहित 30 से अधिक प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखी जा रही है।

एनसीसी कैडेट्स ने मनाया कारगिल विजय दिवस

टीएनएफ टुडे, आगरा।

बीडी जैन गर्ल्स पीजी कॉलेज आगरा में कैप्टन नीलम कान्त के निर्देशन में एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में पोस्टर और व्याख्यान देकर कारगिल विजय दिवस बड़े ही सम्मान और देशभक्ति के साथ मनाया। यह दिन वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध में भारत की ऐतिहासिक जीत की 27वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया गया है। कारगिल विजय दिवस हमें उन वीर सपूतों के बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की सीमाओं की रक्षा की। यह दिन पूरे राष्ट्र के लिए गर्व, एकता और देशभक्ति का प्रतीक है। कारगिल विजय दिवस केवल एक जीत का प्रतीक नहीं, बल्कि यह भारतीय सेना की वीरता, अनुशासन और देश के प्रति समर्पण का प्रतीक है। यह दिन हर नागरिक को देश की रक्षा में सैनिकों के योगदान को याद दिलाता है।कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने ह्यऑपरेशन विजयह्न के तहत दुश्मन के कब्जे से महत्वपूर्ण चोटियों को मुक्त कराया था, जिसके बाद 26 जुलाई को विजय की घोषणा की गई थी।

अवैध खनन में 8 डंपर सीज, बार्डर जाम

खेरागढ़ में अवैध खनन पर प्रशासन का प्रहार

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

तहसील क्षेत्र में अवैध खनन और उसके परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने शुक्रवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफिया की कमर तोड़ दी। प्रशासन, पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध खनन सामग्री से लदे आठ डंपरों को सीज कर लिया। कार्रवाई की भनक लगते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। राजस्थान सीमा पर सैकड़ों डंपर व ट्रकों की लंबी कतार लग गई।

एसडीएम नरेंद्र गंगवार ने बताया कि सूचना मिली थी कि क्षेत्र के नबाब बसई मार्ग से बड़े पैमाने पर अवैध खनन सामग्री का परिवहन किया जा रहा है। नायब तहसीलदार

अनुज दीक्षित, खनन अधिकारी सुशील वर्मा, खेरागढ़ व सैंया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और संयुक्त अभियान चलाया।छापेमारी के दौरान चार डंपरों को थाना सैंया तथा चार डंपरों को थाना खेरागढ़ पुलिस के सुपुर्द करते हुए सीज कर दिया गया। अचानक हुई कार्रवाई से खनन माफिया में अफरा-तफरी मच गई। कई वाहन रास्ते में ही रुक गए। शनिवार सुबह बसई नवाब-खेरागढ़ राजस्थान बॉर्डर पर सैकड़ों डंपरों और ट्रकों का जमावड़ा देखने को मिला। वाहन चालक और खनन कारोबारी हालात सामान्य होने का इंतजार करते रहे, लेकिन सीमा पर पुलिस और प्रशासन की सख्त निगरानी के चलते कोई भी वाहन आगे नहीं बढ़ सका। उपजिलाधिकारी नरेंद्र गंगवार ने कहा कि अवैध खनन और उसके परिवहन के खिलाफ प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यह कार्रवाई केवल शुरूआत है।

तहसील क्षेत्र में जहां भी अवैध खनन या परिवहन की सूचना मिलेगी, वहां इसी तरह सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद खनन कारोबार से जुड़े लोगों में दिनभर खलबली मची रही।

जंतर-मंतर जाने से रोकने पर सपाइयों का हंगामा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं को आगरा में ही पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में सपा नेताओं और कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच तीखी नोकझोंक, धक्का-मुक्की और सरकार-प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी देखने को मिली। घटनाक्रम के अनुसार, समाजवादी पार्टी के नेता जंतर-मंतर के लिए रवाना हो रहे थे। तभी पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। रोके जाने वाले प्रमुख नेताओं में महानगर उपाध्यक्ष मधुकर अरोड़ा और जिला उपाध्यक्ष सनी छाबड़ा शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और नाराज कार्यकताओं ने सड़क पर ही उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस प्रशासन का तर्क है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आवश्यक कदम उठाया गया था। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया। इस घटना के बाद आगरा के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर भारी सियासी गरमाहट बढ़ गई है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार हाउस अरेस्ट

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगरा दौरे से पहले पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी संभावित विरोध प्रदर्शन को रोकने के उद्देश्य से कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामनाथ सिकरवार को शनिवार को उनके आवास पर ही नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, हाल ही में सामने आए पेपर लीक प्रकरण को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान विरोध प्रदर्शन किए जाने की आशंका जताई जा रही थी। इसे देखते हुए पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए रामनाथ सिकरवार के आवास के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया, जिससे वह घर से बाहर नहीं निकल सके। इस कार्रवाई के बाद कांग्रेस कार्यकताओं में नाराजगी देखने को मिली। पार्टी नेताओं ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए हैं।

आँगन को आँगन ही रखना...

टीएनएफ टुडे, आगरा।

- ब्रह्माकुमारीज माउंट आबू के रेडियो मधुबन पर 'बातें मुलाकातें'
- स्पेशल एपिसोड में कवि कुमार ललित को बनाया विशेष अतिथि

ब्रह्मा कुमारीज, माउंट आबू स्थित रेडियो मधुबन के ऑनलाइन चर्चित कार्यक्रम 'बातें मुलाकातें' की 2010वीं कड़ी में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा सम्मानित कवि कुमार ललित को फैमिली रिलेशनशिप विषय पर आयोजित स्पेशल एपिसोड के लिए विशेष अतिथि के रूप में सहभागिता करने का अवसर मिला। आरजे रमेश खेड़े के संयोजन-संचालन में आयोजित कार्यक्रम में कवि कुमार ललित ने पारिवारिक रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए अहम त्याग कर निरंतर आत्मीय संवाद किए जाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में लाइव जुड़ रहे दर्शकों और श्रोताओं के प्रश्नों का जवाब देते हुए कुमार ललित ने युवा पीढ़ी को पारिवारिक मूल्यों से जोड़ना जरूरी बताया। यह भी कहा कि परिवार के विचारों में कितनी भी दूरी हो लेकिन मनों में दूरी नहीं रखनी चाहिए।

उन्होंने अपनी गीत- कविताओं से भी बिखरते पारिवारिक रिश्तों को सहेजने का संदेश कुछ यूँ दियाः- ₹ कुछ तन अच्छा हो जाएगा। कुछ मन अच्छा हो जाएगा। अपनों से मिलते रहना तुम।

जीवन अच्छा हो जाएगा। रिश्ते, नाते, संबंधों से बढ़कर संसार नहीं करना। आँगन को आँगन ही रखना, इसमें दीवार नहीं करना..₹ इस दौरान सुधा दवे ने लोकप्रिय फिल्मी गीत ₹अजीब दास्ताँ है ये, कहाँ शुरू कहाँ खतम, ये मंजिलें हैं कौन सी, न तुम समझ सके न हम₹ सुनाकर समाँ बाँध दिया।

विधवा और उसके बच्चों को पीटा

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

थाना क्षेत्र के गांव लालपुर में शनिवार को एक विधवा महिला और उसके परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता रहा। पीड़िता रामबती पत्नी रामप्रकाश ने बताया कि उनके खेत की सम्मलित मेढ़ पर पड़ोसी सुजान सिंह द्वारा बांस के पेड़ लगा दिए गए हैं। जो झुककर उनके खेत में आ गए हैं। जिनसे उनके खेत जोतने एवं फसल की पैदावार में भी नुकसान हो रहा है। आरोपी सुजान सिंह से पेड़ों की छंटाई करने को कहने पर उसने खेत के समीप उनके घर आकर गालीगलौज और अभद्रता करते हुए मारपीट की। चीखने चिल्लाने पर उसकी पत्नी और लड़के भी आ गये। उन्होंने भी उनकी बेटी और बेटों के साथ मारपीट की।

विवाद में घायल पीड़िता रामबती ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग करते हुए थाना खेरागढ़ पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए भेज विधिक कार्रवाई शुरू के दी है।

दिव्य श्रृंगार में विराजे खाटू श्याम, भक्तों ने लिया पुण्यदायी देवशयनी एकादशी का आशीर्वाद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर जीवनी मंडी स्थित श्री खाटू श्याम जी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। प्रातःकाल से ही सैकड़ों श्रद्धालु बाबा श्री खाटू श्याम के दर्शन और पूजन के लिए मंदिर पहुंचे तथा भक्तिमय वातावरण में जयकारों के साथ बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस विशेष अवसर पर श्री खाटू श्याम बाबा का मनोहारी श्रृंगार लाल, गुलाबी और श्वेत पुष्पों से किया गया। बाबा को इलायची और मेवा से निर्मित विशेष माला अर्पित की गई, जिसकी सुगंध से पूरा मंदिर परिसर महक उठा। स्वर्ण मुकुट और आकर्षक कुंडलों से अलंकृत बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

श्री खाटू श्याम जी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दिनेश चंद्र अग्रवाल ने देवशयनी एकादशी का महत्व बताते हुए कहा कि इस दिन से भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं और चातुर्मास का शुभारंभ होता है। यह तिथि भक्ति, साधना और धर्माचरण के लिए

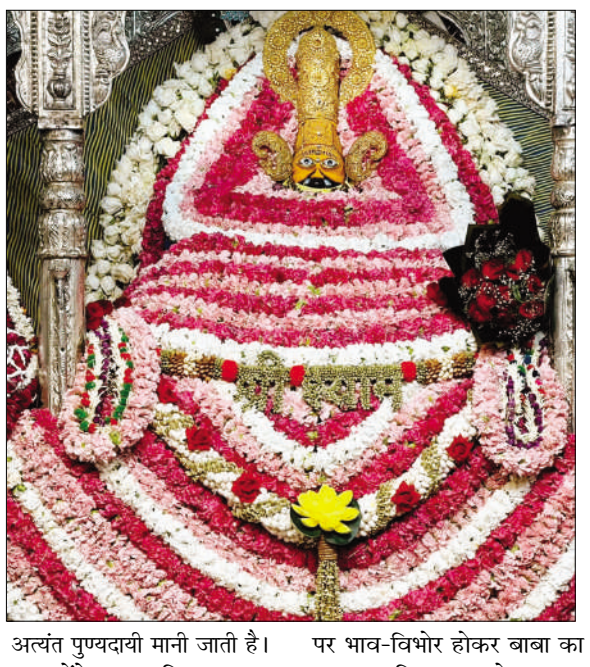

अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है।

उन्होंने बताया कि इस पावन अवसर पर विशेष श्रृंगार, इत्र सेवा, राजभोग एवं संध्या भोग सेवा श्री खाटू श्याम जी मंदिर ट्रस्ट की ओर से तथा विशेष पोशाक सेवा अनीता अग्रवाल की ओर से समर्पित की गई।सायंकाल आयोजित भजन संध्या में श्याम भक्तों ने भजनों पर भाव-विभोर होकर बाबा का गुणगान किया। इसके पश्चात महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर हेमेंद्र अग्रवाल, संजय अग्रवाल, अमित गोयल, विपिन बंसल, विकास गोयल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फोन ने कराया पति-पत्नी में विवाद, मायके वालों ने पिता-पुत्र को पीटा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना क्षेत्र के पारौली सिकरवार गांव में शनिवार को पति ने पत्नी से फोन मांगा। इस बात को लेकर पति-पत्नी में कहासुनी हो गई। इसके बाद पत्नी की सूचना पर पहुंचे मायका पक्ष के लोगों ने पिता-पुत्र को पीट दिया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल के लिए भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीतम पुत्र सोमवीर निवासी पारोली सिकरवार थाना फतेहाबाद ने बताया कि शनिवार दोपहर को अपनी पत्नी से फोन मांगा था। पत्नी ने फोन देने से इनकार कर दिया। इसको लेकर पत्नी से कहासुनी हुई थी। तभी पत्नी ने अपने मायके फोन कर दिया। कुछ समय बाद सास, ससुर, व दो साले घर पर आ गए और गाली-गलौज करते हुए प्रीतम की पिटाई कर दी। शोर सुनकर पिता बचाने आए तो उनको भी लाठी-डंडों से पीटा। मारपीट में घायल पिता-पुत्र को पुलिस ने मेडिकल के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ताला तोड़कर आभूषण और नगदी चोरी

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नाथूपुरा में बीती रात छत के ऊपर बने कमरे का ताला तोड़कर लाखों के आभूषण तथा नगदी चोरी पुलिस जांच में जुटी है। हरिपाल पुत्र कालीचरन निवासी नाथूपुरा थाना निबोहरा ने बताया कि बीती रात परिवार के लोग नीचे सो रहे थे। चोर पीछे से दीवार पर चढ़कर जीने से होकर ऊपर कमरे में पहुंचे और ताला तोड़कर कमरे में रखें संदूक में रखी 6 अंगूठी, एक करधनी, एक पायल, जंजीर, तथा डेढ़ लाख रुपए नगद चुरा ले गए। सुबह पांच बजे के करीब पत्नी प्रतिमा जागकर गई, तो उसने ऊपर कमरे का ताला टूटा हुआ पाया। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जानकारी परिजनों को दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे तो अंदर एक पाजेब तथा 3500 नगद रुपए मिले।

लूट मामले में बाल अपचारी सहित दो दबोचे

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

बाइक सवार युवक की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर लूट करने के मामले में एक बाल अपचारी सहित दो लोगों को पुलिस ने पकड़ा। घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई है। प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र ने बताया कि विगत नौ जुलाई को बाइक सवार कैलाश चन्द निवासी मनोहरपुर आगरा की आंखों में मिर्ची पाउडकर डालकर बाइक व नगदी लूटने के मामले में शनिवार को वांछित विजय पुत्र भूरी सिंह निवासी रुदिवारी थाना फतेहाबाद सहित एक बाल अपचारी को मुखबिर की सूचना पर तहसील रोड टंकी के पास से पकड़ा गया। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गई है। जिन्हें जेल भेज दिया गया है। इससे पूर्व तीनों लुटेरों को पुलिस पकड़कर जेल भेज चुकी है।

27 जुलाई को निकलेगी भव्य प्रार्थना-यात्रा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जिला प्रभारी ने बताया कि जनपद में कार्यक्रम की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। जिले के सभी गोभक्तों से अनुरोध है कि वे प्रातः 7:30 बजे तक (स्थान) पर एकत्रित हों। शुभ मुहूर्त में ठीक प्रातः 8 बजे से गोमाता के पूजन एवं शंखनाद के साथ ह्यश्री राम जय राम जय जय रामह्न विजय मंत्र का सामूहिक जप प्रारम्भ होगा जो की 9:15 तक चलेगा। विजय मंत्र के उपरांत सभी श्रद्धालु झंडे, बैनर, अभियान संदेशों वाले प्लेकार्ड तथा भजन-कीर्तन के साथ शांतिपूर्ण एवं अनुशासित प्रार्थना यात्रा के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय की ओर प्रस्थान करेंगे। प्रार्थना यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण बलराम का स्वरूप गोमाता बछड़े के साथ सबसे आगे रहेंगे। गोमाता की झांकी तथा अभियान के अंतर्गत संकलित हस्ताक्षरों का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया जाएगा। गौभक्तों की संगठित शक्ति एवं राष्ट्र निर्माण के प्रतीक के रूप में सम्पूर्ण देश में बुलडोजर पर जनता के दर्शनार्थ गोमाता के लिए किए गए हस्ताक्षर पत्रों को शोभायात्रा में सम्मिलित किया जाएगा।

तीसरी आँख ने निहारा योगी को, टीएनएफ टुडे के कैमरा की नजर में कुछ यूँ दिखे मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश।

TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday tnftoday

www.tnftoday.com / epaper

12 एनसीसी कैडेट्स का आफिसर पद पर चयन

एनसीसी ग्रुप कमांडर आगरा ने किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

2 यूपी बटालियन, एनसीसी, द्वारा संचालित सीएटीसी-07 कैंप में शनिवार को एनसीसी ग्रुप कमांडर आगरा निरीक्षण किया। कैंप शारदा यूनिवर्सिटी कीठम आगरा में 17 से 26 जुलाई तक चल रहा है। इसमें आगरा एनसीसी ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर सुरेंद्र पाल यादव, युद्ध सेना मेडल ने कैंप का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओ का अवलोकन किया व सराहना की। कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर उन्होंने कारगिल युद्ध 1999 के दौरान भारतीय सेना द्वारा दिखाए गए अदम्य साहस, पराक्रम और दृढ़ता का उल्लेख करते हुए कारगिल विजय दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने संयुक्त वार्षिक शिविर एवं थल सेना शिविर के कैडेटों को संदेश देते हुए कहा कि कड़े अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। एनसीसी का उद्देश्य ही कैडेटों का सर्वांगीण विकास करना है। एनसीसी युवाओं में एकता और अनुशासन के साथ-साथ देश के प्रति समर्पण के भाव का प्रसार करती है। ग्रुप कमांडर ने सभी कैडेटों से मिलजुल कर रहने और परस्पर एक दूसरे से सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगरा ग्रुप के लिए गर्व की बात है कि इस वर्ष में ग्रुप के 12 एनसीसी कैडेटो का सेना में अफसर पद के लिए चयन हुआ हैं। ग्रुप कमांडर के आगमन पर एनसीसी कैडेटो ने उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया। जिसका नेतृत्व अंडर ऑफिसर अर्पिता ने किया। ग्रुप कमांडर की पायलटिंग कैडेट प्रियंका, कैडेट शिक्षा, कैडेट अनन्या पाल एवं कैडेट रिया ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन आर्मी पब्लिक स्कूल की जूनियर विंग कैडेट कृष्णा मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय की उद्घोष के साथ हुआ। इस दौरान कैंप कमांडेंट एवं डिप्टी कैंप कमांडेंट उपस्थित रहें। कैम्प एडजुटेंट कैप्टन बी बी शर्मा, कैंप क्वार्टर मास्टर कैप्टन एस ए यादव, चीफ ऑफिसर रवींद्र जैन, कैम्प ट्रेनिंग ऑफिसर सेकेंड ऑफिसर नवज्योत सिंह, कैम्प मीडिया प्रभारी सेकेंड ऑफिसर जुग्गी लाल वर्मा, कैम्प कल्चरल एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर सेकेंड ऑफिसर मनोज पंत, जीसीआई आरती राना सहित समस्त कैडेट एवं कैम्प संचालक उपस्थित रहे।

दिल्ली पावरलिफ्टिंग में स्पार्टन फिटनेस के खिलाड़ी जीते

टीएनएफ टुडे, आगरा।

दिल्ली के टैगोर गार्डन में डब्लूआरपीएफ फेडरेशन द्वारा आयोजित 'ऑल इंडिया ओपन डेडलिफ्ट एंड बेंच प्रेस चैंपियनशिप' (दिल्ली पावरलिफ्टिंग शो) में आगरा के स्पार्टन फिटनेस (ताजगंज) के खिलाड़ियों ने कोच गौरव जादौन एवं जिम संचालक सोनू राठौर के मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन करते हुए शहर का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। रुद्र प्रताप सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए डेडलिफ्ट और बेंच प्रेस दोनों कैटेगरी में बाजी मारी और स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) हासिल किया।

भगत सिंह तोमर ने मास्टर्स कैटेगरी में 115 किग्रा चेस्ट (बेंच प्रेस) उठाकर 'ओवरऑल चैंपियन' का खिताब जीता। इसके अलावा, डेडलिफ्ट में 200 किग्रा वजन उठाकर दूसरा स्थान (सिल्वर मेडल) प्राप्त किया।

गौरव जादौन (कोच) ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ खुद भी मेंस ओपन सीनियर कैटेगरी में 150 किग्रा बेंच प्रेस उठाकर रजत पदक सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में अंकित तोमर का प्रदर्शन भी सराहनीय रहा, हालांकि कड़े मुकाबले टफ कंपटीशन के कारण वे पदक जीतने से चूक गए। इस दौरान स्पार्टन फिटनेस के संचालक सोनू राठौर ने सभी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उनकी इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और अनुशासन के बदौलत ही यह सफलता मिली है। आगरा लौटने पर खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया।

सुधीर भोजवानी बने इंडियन क्लब के अध्यक्ष

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सुभाष पार्क स्थित इंडियन क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष सुधीर भोजवानी चुने गए। सचिव पद पर राधेश्याम बंसल व उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल जी निर्विरोध चुने गए। सभी पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर इंडियन क्लब को नई ऊचाईयों तक ले जाने के संकल्प के साथ शपथ ग्रहण की। सभी सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों को माला पहनाकर शुभकामनाएं दी।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुधीर भोजवानी ने बताया कि सब की सहमति से 26 जुलाई को चुनाव समय 5 बजे से 7 बजे तक तय हुआ। सभी सदस्यों की सहमति से अतुल गुप्ता को चुनाव अधिकारी बनाया गया। अतुल गुप्ता जी ने अपने सहयोग के लिए रंजीत सामा जी को संयोजक के अपने साथ बनाया। अध्यक्ष पद के लिए तीन लोगों ने नामांकन किया। जिसमें सुधीर भोजवानी, वीएन गुप्ता, राजेश मित्तल थे। इन तीनों ने अध्यक्ष पद हेतु नामांकन किया। लेकिन 24 जुलाई को वीएन गुप्ता, राजेश मित्तल ने अपने नामांकन वापस ले लिए इस तरह सुधीर भोजवानी अध्यक्ष पद पर निर्विरोध घोषित हुए। सचिव पद पर राधेश्याम बंसल, उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कपूर, कार्यकारिणी सदस्य, प्रमोद वर्मा, अखिलेश गुप्ता, राकेश गुप्ता, राजेश लालवानी, कैलाश नाथ केसरी, निर्मल सिंह सिसोदिया निर्विरोध घोषित हुए। इस तरह सारी टीम निर्विरोध घोषित हुई। आज सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने शपथ ग्रहण कर कार्यभार सम्भाला। क्लब के सदस्यों ने सबी पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश मित्तल सुखदेव गिद्वानी रविंदर अरोड़ा अनिल गुप्ता लक्ष्मण गर्ग वन गुप्ता मुकेश गुप्ता राजेश अग्रवाल आजाद कुमार कर्दम लक्ष्मी नारायण सुशील कपूर...दयाल लालवानी योगेश गुप्ता.श्याम सुंदर मिश्रा तिलक राज गोकुलानी खान साहब विनोद जैन श्याम राजपाल मनमोहन सिंह आदि उपस्थित थे।

कर्ण शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी, कानपुर सुपरस्टार्स ने 23 लाख में खरीदा

आगरा। यूपी टी-20 लीग के मिनी ऑक्शन में भारतीय लेग स्पिनर कर्ण शर्मा सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए। कानपुर सुपरस्टार्स ने उन्हें 5 लाख रुपये के बेस प्राइस पर 23 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ लिया। पिछले सीजन कर्ण नोएडा किंग्स के लिए खेल चुके हैं। आगरा में हुए इस मिनी ऑक्शन में कई टीमें सक्रिय रहीं। नोएडा किंग्स ने शुभम गौतम को 2.50 लाख के बेस प्राइस से बढ़ाकर 21.50 लाख में खरीदा। गोरखपुर लायंस ने शिवम चौधरी को 21 लाख में अपने कब्जे में लिया। कानपुर सुपरस्टार्स ने कर्ण शर्मा के अलावा यशोवर्धन सिंह को 6.60 लाख में खरीदा। वहीं मोहम्मद अमान, शिवम बंसल और अजय कुमार को बेस प्राइस पर ही टीम में शामिल कर लिया। काशि रुद्रस ने मोहम्मद शरीम को 17.50 लाख में और विजय यादव को 5.20 लाख में खरीदा। मेरठ मैवरिक्स ने करण चौधरी और कुणाल यादव को बेस प्राइस पर ही अपने साथ जोड़ लिया।

कृषि विशेषज्ञों ने परखीं तकनीकें

आगरा के 5 गांवों में 'किसान वैज्ञानिक संवाद', मशीनरी वितरित कर दिया आय बढ़ाने का मंत्र

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद के किसानों की आय बढ़ाने और खेती-किसानी को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से शुक्रवार, 24 जुलाई को 'किसान वैज्ञानिक संवाद एवं किसान गोष्ठी' का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'एकीकृत कृषि परियोजना' के तहत झांसी स्थित भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित और उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद, लखनऊ द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम के अंतर्गत संपन्न हुआ।

इसके तहत आगरा के 5 चयनित गांवों–सहारा, बराड़ा, अंगूठी, मिजार्पुर और अटूस–में परियोजना की गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई और विशेषज्ञों की टीम ने प्रक्षेत्र भ्रमण किया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों के दल ने गांवों में जाकर परियोजना के तहत अपनाई जा रही तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और सुधार हेतु उपयोगी सुझाव दिए। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र आसानी से उपलब्ध कराने के लिए विशेषज्ञ दल ने कृषि मशीन आधारित कस्टम हायरिंग सेंटर का उद्घाटन किया। किसान गोष्ठी में उपस्थित लगभग 120 किसानों को आधुनिक खेती से जुड़े आवश्यक कृषि इनपुट और मशीनें भी वितरित की गईं। गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के डॉ. ओमवीर सिंह, डॉ. पी.वी. सिंह, डॉ. अनिल कुमार यादव और उपकार समिति के डॉ. ओ.पी. वर्मा (प्रमुख विशेषज्ञ) व डॉ. अवधेश कुमार यादव। परियोजना क्रियान्वयन टीमः डॉ. गौरेंद्र गुप्ता (प्रधान अन्वेषक), सीताराम कांटवा, डॉ. प्रकाश नारायण द्विवेदी, डॉ. महेश कुमार सिंह एवं वीरेंद्र मौजूद रहे।

'सटीक तकनीक से बढ़ रही पैदावार और मुनाफा'

संवाद के दौरान लाभार्थी किसानों ने बताया कि परियोजना के माध्यम से उन्हें चारा प्रबंधन, पशुपालन, सब्जी-फल और अनाज उत्पादन की सटीक तकनीकों की जानकारी मिली है। आधुनिक तकनीक तक पहुँच बनने से कृषि और पशुपालन दोनों की उत्पादकता में सुधार आ रहा है, जिससे उनकी आय सुदृढ़ हो रही है। परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. गौरेंद्र गुप्ता ने बताया कि ₹एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाकर किसान अपनी लागत कम कर सकते हैं और उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते हैं। इससे खेती अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनती है।

हरिद्वार में मिले आगरा के लापता छात्र, पुलिस दोनों को साथ लेकर लौटी

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कमला नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के लापता हुए कक्षा नौ के दोनों छात्रों को पुलिस ने उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी से सकुशल बरामद कर लिया। दोनों छात्रों को पुलिस अपने साथ आगरा लेकर लौट आई। गुरुवार दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों छात्र प्रथम गुप्ता पुत्र संजय गुप्ता, निवासी कर्मयोगी फव्वारा तथा अमोल गुप्ता पुत्र आकाश गुप्ता, निवासी हनुमान नगर, एत्मादौला अपने घर के लिए निकले थे, लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने कोई सुराग नहीं मिलने पर कमला नगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

पुलिस ने तत्काल विशेष टीम गठित कर छात्रों की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। उनकी आखिरी लोकेशन आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर मिली। इस सुराग के बाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज, टिकट संबंधी जानकारी और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच शुरू की। पुलिस को यह जानकारी मिली कि दोनों छात्र दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेन में सवार हुए थे। इसी कड़ी को जोड़ते हुए पुलिस ने आगे की जांच की और लगातार पीछा करते हुए उत्तराखंड के हरिद्वार पहुंच गई।

वहां हर की पौड़ी क्षेत्र में दोनों छात्र सकुशल मिल गए। इसके बाद कमला नगर पुलिस उन्हें अपने साथ आगरा ले आई। दोनों छात्रों के सकुशल मिलने की सूचना मिलते ही परिवारों ने राहत की सांस ली। फिलहाल पुलिस दोनों छात्रों से पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रही है कि वे घर से बिना बताए हरिद्वार क्यों पहुंचे, वहां जाने का उद्देश्य क्या था और इस दौरान उनके साथ कोई अन्य व्यक्ति तो नहीं था।

मथुरा जंक्शन पर गूंजी किलकारी

महिला यात्री ने दिया स्वस्थ बच्ची को जन्म

टीएनएफ टुडे, आगरा/मथुरा।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6 (आगरा छोर) पर एक महिला यात्री ने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। रेलवे कर्मचारियों एवं रेलवे चिकित्सक की तत्परता से जच्चा और नवजात बच्ची दोनों सुरक्षित एवं स्वस्थ हैं।

शनिवार दोपहर में उप स्टेशन प्रबंधक (कॉमर्शियल), मथुरा जंक्शन को आरपीएफ सीसीटीवी कंट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि प्लेटफार्म संख्या 6 पर एक महिला यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही रेलवे अस्पताल को अवगत कराया गया तथा रेलवे चिकित्सक डॉ. अभय अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि महिला यात्री का प्रसव हो चुका था और उन्होंने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया था। डॉ. अभय एवं उनकी टीम ने जच्चा एवं नवजात बच्ची को तत्काल प्राथमिक उपचार प्रदान किया। इसके उपरांत रेल सुरक्षा बल एवं वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों के सहयोग से दोनों को बेहतर चिकित्सीय देखभाल के लिए जिला अस्पताल, मथुरा रेफर किया गया। महिला यात्री की पहचान धनकुंवर (35 वर्ष), निवासी बैरवारा, जनपद ललितपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। उनके पति भी मौके पर उपस्थित थे। महिला यात्री बावल (हरियाणा) से मथुरा जंक्शन की यात्रा कर रही थीं।

उत्तर मध्य रेलवे, आगरा मंडल यात्रियों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। रेलवे कर्मचारियों, रेल सुरक्षा बल, वाणिज्य विभाग एवं चिकित्सकीय टीम की संवेदनशीलता, तत्परता और मानवीय सेवा भावना के परिणामस्वरूप जच्चा और नवजात बच्ची दोनों पूर्णतः स्वस्थ एवं सुरक्षित हैं।

विहिप ब्रज प्रांत की दो दिवसीय कार्ययोजना शुरू

टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. एम.पी.एस. कॉलेज में विश्व हिंदू परिषद (विहिप), ब्रज प्रांत की एक महत्वपूर्ण कार्य योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ दोपहर 3:30 बजे मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

दिनेश उपाध्याय (केंद्रीय मंत्री, विहिप), मुकेश खांडेकर (क्षेत्र संगठन मंत्री, मेरठ क्षेत्र), कन्हैया लाल अग्रवाल (प्रांत अध्यक्ष, ब्रज प्रांत), स्वव्रज लीडर ए.के. सिंह (निदेशक, डॉ. एम.पी.एस. कॉलेज) मौजूद रहे।

सत्र के मुख्य वक्ता केंद्रीय मंत्री दिनेश उपाध्याय ने संगठन की आगामी 6 महीनों की विस्तृत कार्य योजना को सामने रखा। इस उपलक्ष्य में विहिप ब्रज प्रांत द्वारा 5 लाख नए हित चिंतक (सदस्य) बनाने का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के कार्य को गति देने और विस्तार करने के लिए 100 शताब्दी विस्तारक पूरे क्षेत्र में निकलेंगे। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक स्वव्रज लीडर ए.के. सिंह जी ने विहिप ब्रज प्रांत की इस महत्वपूर्ण बैठक में आए सभी पदाधिकारियों, अतिथियों और कर्मठ कार्यकताओं का अभिवादन किया तथा कॉलेज परिसर में आगमन के लिए सभी का आभार व धन्यवाद प्रकट किया। राकेश त्यागी, अभय सिंह, दिग्विजय नाथ तिवारी, नवल, राहुल जोशी, सुशील, मुकेश, शुक्ला, कारण गर्ग, प्रदीप, शुभम दुबे, रीना शर्मा, राजलक्ष्मी, हिमानी चतुर्वेदी मौजूद रहीं।

डॉ. एमपीएस कॉलेज में प्रारंभ हुई बैठक

कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट मीट-2026 आयोजित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सोसाइटी ऑफ इनवेसिव एंड नॉन-इनवेसिव कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट उत्तर प्रदेश टीम द्वारा एक दिवसीय कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट मीटझ2026 का आयोजन आगरा स्थित होटल भावना क्लार्क इन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वैज्ञानिक बैठक में समूचे उत्तर प्रदेश के बड़ी संख्या में कैथ लैब एवं कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट उपस्थित हुए।

आयोजन समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में भोपाल से संस्थापक सर्वेश जोशी एवं सह-संस्थापक हेमेंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ उत्तर प्रदेश से रज्जन सिंह यादव, जगदीश चंद्र शर्मा, मुकेश शर्मा और देवेन्द्र ढ़ल सहित अन्य पदाधिकारियों ने सहभागिता की। सर्वेश जोशी एवं हेमेंद्र शर्मा ने संस्था की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों तथा कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट समुदाय के विकास में की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वैज्ञानिक सत्र में डॉ. सुवीर गुप्ता ने कॉम्प्लेक्स एंजियोप्लास्टी में ड्रग कोटेड-बैलून की उपयोगिता विषय पर व्याख्यान दिया।

वहीं कंपनी प्रतिनिधि द्वारा माइक्रो कैथेटर हार्डवेयर के नेविगेशन से संबंधित नवीन तकनीकों एवं व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम में डॉ. दीपक अग्रवाल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ शैलेंद्र सिंह कुशवाहा के स्वागत भाषण से हुआ। अंत में बी.एल. राजपूत और संजय सिंह द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट नवीन तकनीकी एवं वैज्ञानिक जानकारियों से लाभान्वित हुए। यह आयोजन ज्ञानवर्धन, व्यावसायिक कौशल विकास तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्डियक टेक्नोलॉजिस्ट समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।

संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com

पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

नया समीकरण गढ़ने में भाजपा कामयाब

पंजाब की राजनीति में बिट्टू की वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि वह पिछले कुछ समय से पंजाब में भाजपा के संगठन और चुनावी तैयारी में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि भाजपा का लक्ष्य पंजाब में "डबल इंजन सरकार" बनाना है और प्रधानमंत्री मोदी के विकास के विजन को हर विधानसभा क्षेत्र तक पहुंचाना है। दरअसल, बिट्टू की वापसी भाजपा की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है, जिसके तहत पार्टी पंजाब में अपने पारंपरिक शहरी हिंदू वोट बैंक से आगे बढ़कर सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच भी मजबूत आधार तैयार करना चाहती है। पंजाब में लगभग 58 प्रतिशत आबादी सिखों की है, जबकि करीब 39 प्रतिशत हिंदू हैं। इसके अलावा राज्य में लगभग 32 प्रतिशत दलित और लगभग 16 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग है। भाजपा की कोशिश इन चारों सामाजिक वर्गों में समानांतर स्वीकार्यता बढ़ाने की है। भाजपा की इसी नई रणनीति की झलक हाल में आई 'सतलुज' फिल्म को लेकर हुए विवाद में भी देखने को मिली थी। रवनीत सिंह बिट्टू ने फिल्म का खुलकर विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह ऐसे संवेदनशील विषय को उभारने का प्रयास है, जिससे पंजाब का माहौल दोबारा तनावपूर्ण हो सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोशिश बताते हुए फिल्म पर सवाल उठाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिट्टू का यह रुख भाजपा की बदली हुई चुनावी रणनीति का संकेत था। पहले जहां पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के मुद्दों पर अपेक्षाकृत आक्रामक भाषा का प्रयोग करती थी, वहीं अब वह सिख समुदाय की धार्मिक और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखते हुए अपनी राजनीतिक अभिव्यक्ति को अधिक संतुलित और संयमित बना रही है। माना जा रहा है कि भाजपा पंजाब में सिख मतदाताओं के बीच भरोसा बढ़ाने के लिए ऐसे मुद्दों पर सावधानीपूर्वक राजनीतिक संदेश देना चाहती है, ताकि हिंदू, सिख, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग, इन चारों प्रमुख सामाजिक समूहों में समानांतर स्वीकार्यता विकसित की जा सके।साथ ही भाजपा ने अपने राजनीतिक संदेश और भाषा में भी उल्लेखनीय बदलाव किया है। कभी ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर बेहद आक्रामक रुख अपनाने वाली पार्टी अब सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक शिकायतों को अधिक संवेदनशीलता से संबोधित करती दिखाई दे रही है। पार्टी लगातार कांग्रेस को ऑपरेशन ब्लू स्टार, पंजाब में आतंकवाद के दौर और 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए जिम्मेदार ठहराती है, जबकि स्वयं को सिख समाज की भावनाओं का सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास कर रही है। देखा जाये तो भाजपा की इस बदली हुई राजनीतिक रणनीति की पृष्ठभूमि को समझने के लिए उसके पुराने रुख पर भी नजर डालना जरूरी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने अपनी आत्मकथा 'माय कंट्री, माय लाइफ' में पंजाब में उग्रवाद के दौर के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपने राजनीतिक हितों के लिए उग्रवाद को बढ़ावा दिया और हालात इतने बिगड़ने दिए कि अंततः ऑपरेशन ब्लू स्टार की नौबत आ गई। आडवाणी ने यह भी लिखा था कि भाजपा और अन्य दलों के देशव्यापी आंदोलनों के दबाव में तत्कालीन केंद्र सरकार को स्वर्ण मंदिर परिसर से उग्रवादियों को हटाने के लिए सैन्य कार्रवाई करनी पड़ी थी। हालांकि अब पंजाब में चुनावी विस्तार की कोशिशों के बीच भाजपा की सार्वजनिक भाषा पहले की तुलना में कहीं अधिक संतुलित और संवेदनशील दिखाई देती है। पार्टी अब ऑपरेशन ब्लू स्टार को 'राष्ट्रीय त्रासदी' बताते हुए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराती है, लेकिन साथ ही सिख समाज की धार्मिक भावनाओं और ऐतिहासिक पीड़ा को भी प्रमुखता से स्वीकार करने का प्रयास कर रही है।फिर भी भाजपा की इस नई राजनीतिक भाषा को लेकर संदेह भी कम नहीं है। कई राजनीतिक विश्लेषकों और सिख बुद्धिजीवियों का मानना है कि पार्टी का यह बदलाव मुख्य रूप से चुनावी गणित से प्रेरित है। उनका कहना है कि केवल हिंदू मतों के सहारे पंजाब में सरकार बनाना संभव नहीं है, इसलिए भाजपा सिख मतदाताओं के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक संदेश को नया स्वरूप दे रही है। बहरहाल, अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा की सामाजिक समीकरणों पर आधारित नई रणनीति और सिख समाज तक पहुंच बनाने की कोशिश पंजाब के मतदाताओं को प्रभावित कर पाएगी या फिर राज्य की पारंपरिक राजनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति ही चुनाव परिणाम तय करेगी। अगले विधानसभा चुनाव इस सवाल का सबसे बड़ा जवाब साबित होंगे।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण!

नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (उखढ) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व

महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निमार्ताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरू हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नजर नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती। लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है। सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सजग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।

- दीपक कुमार त्यागी / हस्तक्षेप
अधिवक्ता, स्वतंत्र पत्रकार,
स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक

बृज मंडल की हरियाली कौन निगल रहा है?

ब्रज मंडल या ताज ट्रिपेजियम जोन, पर खतरा फिर मंडरा रहा है। इस बार हमला सिर्फ धुएँ या कारखानों से नहीं है। उसके सबसे पुराने पहरेदार, उसके पेड़, तेजी से गायब हो रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीटीजेड में 10,700 से अधिक पूर्ण विकसित पेड़ों की कटाई को मंजूरी दे दी है। इन पेड़ों की बलि सड़कों, एक्सप्रेसवे, रेलवे लाइन, एयरपोर्ट विस्तार और दूसरे बड़े प्रोजेक्टों के लिए दी जाएगी। विकास जरूरी है, इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन सवाल यह है कि क्या विकास हरियाली की कीमत पर होगा? मथुरा, वृन्दावन, गोवर्धन में पिछले कुछ वर्षों में हजारों पेड़ कट चुके हैं। टीटीजेड का गठन 1990 के दशक में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक एम.सी. मेहता मामले के बाद हुआ था। करीब 10,400 वर्ग किलोमीटर में फैला यह क्षेत्र आगरा, मथुरा, वृंदावन और आसपास के जिलों को समेटता है। इसका उद्देश्य था ताजमहल को प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण से बचाना। आज वही सुरक्षा कवच धीरे-धीरे टूट रहा है।

हर साल हजारों पेड़ गायब हो रहे हैं। कहीं सड़क चौड़ी हो रही है, कहीं एक्सप्रेसवे बन रहा है। कहीं कॉलोनियाँ उग रही हैं, कहीं व्यावसायिक परिसर। शहर फैल रहे हैं, और हरियाली सिमट रही है। कंक्रीट का जंगल बढ़ रहा है, असली जंगल पीछे हट रहे हैं।

ताजमहल को प्रदूषण से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 1996 में 10,400

वर्ग किमी क्षेत्र में ताज ट्रेपेजियम जोन (ळळे) बनाया। इसके बावजूद हरित क्षेत्र लगातार घट रहा है। 2017 में छह जिलों का वन क्षेत्र 664 वर्ग किमी था, जो 2019 में घटकर 657.71 वर्ग किमी रह गया। आगरा में भी 9.38 वर्ग किमी वन क्षेत्र कम हुआ। शहरीकरण, निर्माण, पेड़ों की कटाई, अतिक्रमण, प्रदूषण और जल संकट इसके प्रमुख कारण हैं। लाखों पौधे लगाए जा रहे हैं, लेकिन रखरखाव की कमी से उनकी जीवित रहने की दर अपेक्षा से कम है। केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि पेड़ों का संरक्षण भी जरूरी है।

सरकारें कहती हैं कि एक पेड़ के बदले दस पौधे लगाए जाएंगे। कागज पर यह तर्क अच्छा लगता है। मगर प्रकृति फाइलों से नहीं चलती।

एक पुराना पेड़ बनने में कई दशक लगते हैं। वह कार्बन सोखता है, छाया देता है, हवा साफ करता है, पक्षियों को आश्रय देता है और शहर का तापमान कम करता है। एक छोटा पौधा वर्षों तक उसकी बराबरी नहीं कर सकता। ऊपर से लगाए गए अनेक पौधे देखभाल के अभाव में सूख जाते हैं।

आगरा पहले ही खराब हवा से जूझ रहा है। धूल, वाहनों का धुआँ और लगातार निर्माण गतिविधियाँ प्रदूषण बढ़ा रही हैं। ऐसे में पेड़ों की कटाई शहर की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर देगी। गर्मी और बढ़ेगी, हवा और खराब होगी।

यमुना के बाढ़ क्षेत्र भी इससे प्रभावित होंगे। पेड़ मिट्टी को बचाते हैं, भूजल को रिचार्ज करते हैं और जैव विविधता को सहारा देते हैं। उनके खत्म होने से पूरा पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर पड़ता है।

पर्यावरणविद् डॉ. देवाशीष भट्टाचार्य का कहना है, "विकास का विरोध नहीं है। लेकिन हर परियोजना में पहले यह देखा जाना चाहिए कि कितने पुराने पेड़ों को बचाया जा सकता है। हजारों पेड़ काटना आखिरी विकल्प होना चाहिए, पहला नहीं।" वरिष्ठ पर्यावरण कार्यकर्ता डॉ मुकुल पांड्या कहते हैं, "आगरा की हरियाली जितनी तेजी से खत्म हो रही है, उतनी तेजी से लौट नहीं रही। पेड़ सिर्फ सौंदर्य नहीं हैं, वे शहर के फेफड़े हैं।"

वृन्दावन के ग्रीन एक्टिविस्ट जगन नाथ पोद्दार कहते हैं, "सरकारें सड़कों और पुलों का उद्घाटन करती हैं, जंगलों का नहीं। पेड़ों को जीवनदाता नहीं, बाधा समझा जाने लगा है। यही सबसे बड़ी त्रासदी है।" असल सवाल विकास बनाम पर्यावरण का नहीं है। समझदारी भरे विकास का है। सड़कों का मार्ग बदला जा सकता है। एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जा सकते हैं। पेड़ों का वैज्ञानिक प्रत्यारोपण किया जा सकता है। लगाए गए पौधों की स्वतंत्र निगरानी होनी चाहिए और उनकी जीवित रहने की दर सार्वजनिक की जानी चाहिए। टीटीजेड एक दूरदर्शी सोच का परिणाम था। उसे सिर्फ कागजी बाघ बनाकर नहीं छोड़ा जा सकता। विडंबना देखिए। मोहब्बत की सबसे खूबसूरत निशानी ताजमहल अपने प्राकृतिक रखवालों को खो रहा है। एक सौ साल पुराने पेड़ को काटना आसान है, लेकिन उसे वापस लाने में कई पीढ़ियाँ लग जाती हैं। ताजमहल को सिर्फ चमकदार पत्थरों की नहीं, साफ हवा, बहती यमुना और जीवित जंगलों की जरूरत है। प्रकृति को कुर्बान करके मिलने वाला विकास दरअसल विकास नहीं, आने वाली पीढ़ियों पर थोपा गया कर्ज है।

-बृज खंडेलवाल द्वारा

अब जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ो

सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र की जीत बताया और देश से जवाबदेही से सुधार की ओर बढ़ने का आग्रह किया। प्रधान ने शनिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला छात्रों के भविष्य की रक्षा करने और दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं के बड़े विरोध-प्रदर्शन का फायदा उठाने की कोशिश कर रही राष्ट्र-विरोधी ताकतों को रोकने के मकसद से लिया गया है।

उन्होंने उखढ और "देश की GenZ" को उनके धैर्य और दृढ़ता के लिए बधाई दी, साथ ही जवाबदेही की मांग करने के लिए डर और डर के डर को छोड़ने वाले देश भर के नागरिकों का धन्यवाद किया। वांगचुक ने पर लिखा कि यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। उखढ और देश की GenZ को बधाई, और डर व डर के डर को छोड़कर देश के हर कोने से आगे आने वाले सभी नागरिकों का धन्यवाद। उन्होंने अपनी पोस्ट के आखिर में कहा कि जवाबदेही से अब सुधार की ओर, जिससे यह संकेत मिलता है कि अब शिक्षा व्यवस्था में ढांचागत बदलाव लाने पर ध्यान देना जरूरी है।

सूत्रों ने बताया कि प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया, उन्हें हटाया नहीं गया था; इससे पता चलता है कि सरकार उन्हें सम्मानजनक विदाई देना चाहती थी। ओडिशा में जन्मे बीजेपी नेता 2021 से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तौर पर काम कर रहे थे और 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी के सत्ता में लौटने के बाद उन्हें फिर से नियुक्त किया गया था।

-अनाम

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 27 जुलाई 2026 सोमवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन साक्षात देवों के देव महादेव भगवान शिव की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिव शंभु को तांबे या कांस्य के पात्र से जल में गंगाजल और सफेद चंदन मिलाकर अर्घ्य देना तथा शिव चालीसा का वाचन करना जीवन में असीम मानसिक शांति आरोग्यता पारिवारिक सुख और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक सम्मान में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव अत्यधिक होगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पाएंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी सुस्ती आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान शिव को जल अर्पित करें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी मुख्य और सम्मानित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मस्तक ऊंचा होगा और मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। शिव पंचाक्षर मंत्र का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल व्यावसायिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। शिवलिंग पर बेलपत्र अर्पित करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊर्जावान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी महत्वपूर्ण व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता गौरी को सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर सफेद चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और उच्च सहयोगियों की मदद से किसी महत्वपूर्ण नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी सच्ची मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। असहाय लोगों के लिए अन्न की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र विस्तृत होगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई महत्वपूर्ण रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी शिवालय में जल का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। शिव कवच का वाचन करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का अधिक लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखित प्रमाण के कोई महत्वपूर्ण आर्थिक व्यवहार न करें। महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए मुख्य व्यावसायिक सहयोगी सम्मिलित होने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। भोलेनाथ को याद करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर षड्यंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत महत्वपूर्ण और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। गाय को हरी घास या भोजन खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को असीम राहत मिलेगी। किसी शिव मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

सोमवार के दिन घर के मुख्य हॉल में उत्तर की दिशा में साफ जल से भरा हुआ पीतल या तांबे का कलश स्थापित करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात महादेव की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा संवर्धित होती रहती है।

अब सुगम होंगे श्रीकृष्ण जन्मभूमि के दर्शन, बना 470 करोड़ का प्लान

-एलिवेटेड रोड, बस पार्किंग और सम्पर्क मार्ग विस्तार के लिए योजना तैयार

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली में बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए यातायात व्यवस्था को आधुनिक और सुगम बनाने की तैयारी है। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण ने अवस्थापना विकास का एक व्यापक प्लान स्वीकृत किया है। इसके तहत श्रीकृष्ण जन्मभूमि के लिए एलिवेटेड रोड, बस पार्किंग एवं संपर्क मार्ग के विस्तार सहित अन्य जन सुविधाओं से सुसज्जित किया जाना शामिल है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को जाम से राहत, सुरक्षित आवागमन और बेहतर धार्मिक पर्यटन अनुभव के साथ ठाकुरजी के सुगम दर्शन कराना है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और वृंदावन में प्रतिवर्ष देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसे देखते हुए मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में कई महत्वपूर्ण अवस्थापना परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य धार्मिक स्थलों तक पहुंच को आसान बनाना, महानगर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना और श्रद्धालुओं को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।इसके तहत प्राधिकरण द्वारा महानगर के 17 प्रमुख तिराहों और चौराहों के जंक्शन इम्प्रूवमेंट का कार्य 50 करोड़ की लागत से किया जाएगा। प्लान के तहत टाउनशिप तिराहा, गोकुल तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा, भूतेश्वर चौराहा, मंडी चौराहा, गोवर्धन चौराहा, गांधी पार्क तिराहा, प्रेम मंदिर जंक्शन, एसबीआई चौराहा, नया बस अड्डा तिराहा सहित अन्य प्रमुख जंक्शनों पर लेन सेपरेटर, डिवाइडर, रोटरी, साइनेज, रोड मार्किंग, ग्रिल, स्पीड ब्रेकर, फुटपाथ, वेंडिंग जोन तथा आवश्यकतानुसार पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

जन्मभूमि के लिए 3.5 किमी लम्बा एलिवेटेड रोड

मछली फाटक से श्रीकृष्ण जन्मभूमि (गेट संख्या-03) तक लगभग 3.50 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड का निर्माण होना है। वर्तमान में यमुना एक्सप्रेस-वे,एनएच 530बी, एनएच-19, टाउनशिप और धौली प्याऊ की ओर से आने वाले श्रद्धालु टैंक चौराहा, एसबीआई तिराहा, नया बस स्टैंड और भूतेश्वर तिराहे से होकर जन्मभूमि पहुंचते हैं। यह मार्ग शहर के प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी जोड़ता है, जिसके कारण यहां हमेशा भारी यातायात दबाव रहता है। इस मार्ग पर रेलवे अंडरपास होने और दोनों ओर पर्याप्त भूमि उपलब्ध न होने के कारण सड़क चौड़ीकरण संभव नहीं है। ऐसे में एलिवेटेड रोड सबसे व्यवहारिक समाधान माना गया है। इसके बनने से वर्तमान में 3.50 किलोमीटर की दूरी तय करने में लगने वाला 30 से 40 मिनट का समय घटकर केवल 5 से 7 मिनट रह जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों को ट्रैफिक जाम से बड़ी राहत मिलेगी। इस रोड पर करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

- मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण ने मथुरा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अवस्थापना विकास का प्लान
- श्रद्धालुओं को मिलेंगी आधुनिक यातायात सुविधाएं, मुख्यमंत्री के समक्ष किया गया प्रजेंटेशन

जन्मभूमि निकट बस पार्किंग और लिंक मार्ग का विस्तार

मसानी कट स्थित कल्याण करोति हॉस्पिटल से रामलीला मैदान होते हुए महाविद्या कॉलोनी स्थित सीएम ग्रिड लिंक रोड तक लगभग 1050 मीटर लंबे लिंक मार्ग, पार्किंग, बाउंड्रीवाल और जनसुविधाओं का विकास किया जाएगा। वर्तमान में एनएच-19 से श्रीकृष्ण जन्मभूमि आने वाली अधिकांश बसें गोविंद नगर के संकरे मार्गों से होकर गुजरती हैं, जिससे अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है और स्थानीय निवासियों, पर्यटकों तथा श्रद्धालुओं को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए लगभग 4 एकड़ प्राधिकरण भूमि पर विशेष रूप से बसों के लिए ओपन पार्किंग विकसित की जाएगी। पार्किंग तक पहुंचने के लिए 12.50 मीटर चौड़ा दो लेन लिंक मार्ग बनाया जाएगा। साथ ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि की ओर जाने वाले मार्ग को जोड़ने के लिए 30 फीट चौड़े मार्ग का निर्माण तथा स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए 7.50-7.50 मीटर चौड़े दो कैरिज-वे और दोनों ओर दो-दो मीटर चौड़े फुटपाथ भी विकसित किए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को व्यवस्थित पार्किंग मिलेगी और जन्मभूमि तक पहुंचना अधिक सुगम होगा। इस पर करीब 70 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

वर्जन

श्रीकृष्ण जन्मभूमि को दृष्टिगत रखते हुए यह परियोजनाएं भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। इनका उद्देश्य केवल यातायात सुधारना नहीं, बल्कि मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की आवाजाही को अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से धार्मिक पर्यटन और स्थानीय विकास दोनों को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा। इन सभी परियोजनाओं एक स्वीकृति मिल चुकी है। इनका प्रजेंटेशन मुख्यमंत्री जी के समक्ष किया गया है।

-लक्ष्मी नागप्पन, उपाध्यक्ष
मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण

राजदरबार फूल बंगले में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए दर्शन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि मंदिर में मनोरथ एवं फूल बंगले आदि सभी धार्मिक कार्यक्रमों की अनुमति मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉ. वागिश कुमार जी महाराज से ली जाती है। माथुर चतुर्वेद परिषद एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मुख्य संरक्षक व प्रमुख समाजसेवी श्री महेश पाठक विगत कई वर्षों से ठाकुर जी के सानिध्य में ही अपना जन्मदिन मनाते आ रहे हैं। इस भव्य आयोजन की तैयारियां पिछले 10 से 12 दिनों से चल रही थीं। फूल बंगले की विशेष सजावट के लिए दिल्ली और कोलकाता से विभिन्न प्रकार के सुंदर फूल मँगवाए गए थे।

संध्या समय ठाकुर जी को राज दरबार (फूल बंगले) में सोने-चांदी के भव्य सिंहासन पर विराजमान किया गया। राज दरबार के स्वरूप को साकार करने के लिए गोपियाँ, हाथी, घोड़े और तरह-तरह के खेल-खिलौने सजाए गए थे। ठाकुर जी के यह अलौकिक एवं भव्य दर्शन सायंकाल 6.30 बजे से रात्रि 8 बजे तक खुले रहे। इस अवसर पर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के अध्यक्ष राजन पाठक, रंजीत पाठक संरक्षक गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, दिनेश पाठक, राकेश तिवारी एडवोकेट, उपाध्यक्ष योगेंद्र चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी महामंत्री संजय एल्पाइन कोषाध्यक्ष नीरज चतुर्वेदी मंत्री अनिल चतुर्वेदी पमपम संजय चतुर्वेदी आशीष चतुर्वेदी गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी बैजनाथ जी रामलीला वाले, मलिक अरोड़ा, डॉ अशोक कुमार कुमार, नरेंद्र सिंह आदि विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों ने भी पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

रिफाइनरी नगर में धूमधाम से निकली भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथ यात्रा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

रिफाइनरी नगर में भगवान जगन्नाथ की श्बाहुड़ा रथ यात्राश (पुनरागमन यात्रा) अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर पूरा नगर श्रद्धालुओं के उत्साह और जयघोष से सराबोर नजर आया। भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के घर (गुंडिचा मंदिर) में प्रवास पूरा करने के बाद बहन सुभद्रा और भ्राता बलभद्र के साथ पुनः अपने मंदिर लौटने के लिए रथ पर सवार हुए। ढोल-नगाड़ों, शंख ध्वनि और श्जय जगन्नाथश के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ रथ को खींचा। नगर भ्रमण के दौरान मार्ग में जगह-जगह नगर वासियों ने रथ यात्रा का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। रथ यात्रा में राजा का दायित्व निभा रहे रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और नगर की सुख-समृद्धि की कामना की।

नगर भ्रमण करते हुए भगवान जगन्नाथजी का रथ गोकुलेश्वर महादेव मंदिर पहुँचा, जहाँ यात्रा का विश्राम हुआ। मंदिर प्रांगण में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच विशेष प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस भव्य आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

सांसद व डीएम ने लाडली वन रोपने वाले 10-10 प्रशासन व सचिव किये सम्मानित

-परिषदीय विद्यालयों में अत्यधिक फर्नीचर आपूर्ति कराने वाले प्रशासक व सचिवों का हुआ सम्मान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के परिषदीय विद्यालयों में छात्र, छात्राओं बैठने हेतु डेस्क एवं बेंच की आपूर्ति 663 अतृप्त विद्यालयों में 14060 डेस्क बेंच से शतप्रतिशत संतृप्तिकरण सपनों की नई उड़ान, स्कूलों का नया सवेरा एवं वृहद वृक्षारोपण महायज्ञ 2026-101 लाडली वन (मियावाकी पद्धति) स्थापना आओ लौटायें ब्रज की हरियाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद सांसद हेमा मालिनी द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता द्वारा श्रीमती हेमा मालिनी, विधायक पूरन प्रकाश एवं विधायक राजेश चौधरी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। पंचायती राज विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से परिषदीय विद्यालयों में फर्नीचर आपूर्ति से सम्बन्धित एवं 101 ग्राम पंचायतों में मियावाकी पद्धति से लगाये गये लाडली वन के वीडियो के माध्यम प्रस्तुतीकरण किया गया। जिलाधिकारी ने समस्त पंचायती राज विभाग के अधिकारी, प्रशासक, सचिव, सहायक विकास अधिकारी (पं.) एवं बेसिक शिक्षा विभाग के समस्त सम्बन्धित अधिकारियों की इस कार्य के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी एवं बच्चों को भी उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें देते हुए मार्ग दर्शन प्रदान किया गया। जिलाधिकारी द्वारा 101 लाडली वन लगाये जाने हेतु मुख्य विकास अधिकारी की प्रशंसा की गयी। जनपद में ग्राम पंचायत अडींग एवं सोसा विकास खण्ड गोवर्धन की ज्ञान ज्योतिरू डिजिटल लाइब्रेरी से पढ़कर

- पंचायती राज विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा पांचजन्य प्रेक्षागृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया

उपनिरीक्षक (यूपी पुलिस) पद पर चयन होने पर जिलाधिकारी एवं सांसद द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार मियावाकी पद्धति से लाडली वन लगाने वाले 10 प्रशासक एवं 10 सचिव को भी सम्मानित किया गया। परिषदीय विद्यालयों में अत्यधिक फर्नीचर आपूर्ति कराने वाले 10 प्रशासक एवं 10 सचिव को भी सम्मानित किया गया।

विकास खण्ड स्तर के 03 सहायक विकास अधिकारी पं. , 03 खण्ड विकास अधिकारी एवं 03 खण्ड शिक्षा अधिकारियों को भी उत्कृष्ट कार्य हेतु मंच पर सम्मानित किया गया।

इंडियन क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए सुधीर भोजवानी

टीएनएफ टुडे, आगरा। सुभाष पार्क स्थित इंडियन क्लब के निर्विरोध अध्यक्ष सुधीर भोजवानी चुने गए। सचिव पद पर राधेश्याम बंसल व उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल जी निर्विरोध चुने गए। 24 जुलाई को इंडियन क्लब की समस्त कार्यकारिणी का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न हुआ।

सभी पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर इंडियन क्लब को नई ऊचाईयों तक ले जाने के संकल्प के साथ शपथ ग्रहण की। सचिव पद पर राधेश्याम बंसल, उपाध्यक्ष पद पर लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कपूर, कार्यकारिणी सदस्य, प्रमोद वर्मा, अखिलेश गुप्ता, राकेश गुप्ता, राजेश लालवानी, कैलाश नाथ केसरी, निर्मल सिंह सिसोदिया निर्विरोध घोषित हुए। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजेश मित्तल सुखदेव गिद्वानी रविंदर अरोड़ा अनिल गुप्ता लक्ष्मण गर्ग वन गुप्ता मुकेश गुप्ता राजेश अग्रवाल आजाद कुमार कर्दम लक्ष्मी नारायण सुशील कपूर...दयाल लालवानी योगेश गुप्ता.श्याम सुंदर मिश्रा तिलक राज गोकुलानी खान साहब विनोद जैन श्याम राजपाल मनमोहन सिंह आदि उपस्थित थे।

डीआईओएस प्रोन्नत होकर मथुरा डाइट के प्रिंसिपल बने

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, फरह।

नोएडा डीआईओएस रहे धर्मेंद्र शर्मा को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मथुरा का प्रिंसिपल बनाया गया है। जेडी मुकेश अग्रवाल के स्थानांतरण होने के बाद पद रिक्त पड़ा था। खंड शिक्षा अधिकारी जेपी सुमन को प्रमोशन देकर डाइट पर वरिष्ठ प्रवक्ता बनाया गया है। दोनों शिक्षाविदों के नेतृत्व में डाइट मथुरा को नई दिशा मिलेगी, ऐसी लोगों में उम्मीद जगी है। स्टूडेंट्स और उनके अभिभावकों का कहना है कि नवीन प्राचार्य और वरिष्ठ प्रवक्ता गण अभिनव पहल कर छात्रों के हित में निर्णय लेंगे। ताकि उनका भविष्य संवर सके।

फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों ने डाइट प्राचार्य से अनुरोध करते हुए ऐसे छात्रों के हित में पुन विकल्प भरवाकर नए सिरे से स्कूल आवंटित करने को आग्रह किया है। ताकि उनका प्रशिक्षण कार्यक्रम सुचारू पूर्ण हो सके। छात्रों का कहना है कि मथुरा डाइट में 2024 में 1300 छात्र आज तक परीक्षा से वंचित हैं।

क्यों कि उन छात्रों को दोबारा इंटर्नशिप का मौका नहीं दिया गया था । जबकि समय रहते दिया भी जा सकता था। बताते चले डाइट प्राचार्य धर्मेंद्र नोएडा डीआईओएस से प्रोन्नत होकर डाइट प्रिंसिपल (डीडीआर) बनाए गए हैं। वही खंड शिक्षा अधिकारी जेपी सुमन को वरिष्ठ प्रवक्ता(इक्विवलेंट बीएसए) बनाया गया है। श्री सुमन फरह और मथुरा ब्लॉक में खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में अपनी बेहतर सेवाएं दे चुके हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा में रेलवे स्टेशन पर चौकस रहें जीआरपी कर्मी: एसएसपी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसके लिए रेलवे पुलिस ने व्यापक इंतजाम किए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (रेलवे) अनिल कुमार झा ने मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए ड्यूटी पर तैनात जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी रेलवे ने बताया कि गुरु पूर्णिमा मेले के लिए विशेष पुलिस ड्यूटी 22 जुलाई से 31 जुलाई तक लगाई गई है। आवश्यकता पड़ने पर इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। मेले का मुख्य आयोजन 27, 28 और 29 जुलाई को होगा, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु रेल मार्ग से मथुरा पहुंचेंगे और गोवर्धन सहित अन्य धार्मिक स्थलों के लिए रवाना होंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए मथुरा-वृंदावन क्षेत्र को एक सुपर जोन, चार जोन और कई सेक्टरों में विभाजित किया गया है। सुपर जोन की जिम्मेदारी क्षेत्राधिकारी (सीओ) को सौंपी गई है, जबकि चारों जोन की कमान इंस्पेक्टरों के हाथ में रहेगी।

प्रत्येक सेक्टर की निगरानी उपनिरीक्षक करेंगे, ताकि हर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे। रेलवे पुलिस के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सुचारु आवागमन के लिए 450 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

सभी अधिकारियों और जवानों को यात्रियों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करने, महिला एवं वरिष्ठ नागरिक यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस वस्तुओं पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेशन परिसर और मेला क्षेत्र में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है। रेलवे पुलिस और रेल प्रशासन समन्वय के साथ काम कर रहे हैं, ताकि गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव मिल सके।

संस्कृति विवि ने एसएमइ के साथ विद्यार्थियों को दिए सफल उद्यमी बनने के टिप्स

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

संस्कृति स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी द्वारा एमएसएमई, आगरा के सहयोग से ष्इनोवेशन, टेक्नोलॉजी अडॉप्शन और सरकारी योजनाएंष विषय पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को टेक्नोलॉजी और सरकारी योजनाओं की मदद से नवोन्मेष करने और नवोन्मेष को उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक ज्ञान से अवगत कराया और इसके लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्वलन और गणमान्य अतिथियों व प्रतिभागियों के गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई। संस्कृति स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के डीन डॉ. पंकज कुमार गोस्वामी ने स्वागत भाषण के साथ अपने संबोधन में तेजी से बदलते तकनीकी माहौल के लिए छात्रों को तैयार करने में इनोवेशन, तकनीकी प्रगति और इंडस्ट्री-एकेडेमिया सहयोग के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने प्रतिभागियों को उभरती हुई तकनीकों और इनोवेशन व एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सरकारी पहलों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करके वर्कशॉप का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डीन ऑफ स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. डी. एस. तोमर ने छात्रों को ज्ञान बढ़ाने वाले ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एंटरप्रेन्योरशिप कौशल विकसित करने, इनोवेशन को बढ़ावा देने और सरकार समर्थित योजनाओं का लाभ उठाने के महत्व पर प्रकाश डाला, जो इनोवेटिव विचारों को सफल उद्यमों में बदलने में मदद कर सकती हैं। संस्कृति विवि के प्रति कुलपति डॉ. रघुराम भट्ट ने एमएसएमइ, आगरा के सहयोग से वर्कशॉप आयोजित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने जोर दिया कि छात्रों के प्रैक्टिकल अनुभव, रिसर्च क्षमताओं और रोजगार की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए मजबूत इंडस्ट्री-एकेडेमिया पार्टनरशिप जरूरी है। उन्होंने छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को नई तकनीकों, इनोवेशन-आधारित रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि वे देश के तकनीकी और आर्थिक विकास में प्रभावी ढंग से योगदान दे सकें।

कार्यशाला में भाग ले रहे एमएसएमइ आगरा के फैकल्टी कोर्डिनेटर गौरव कुमार ने इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक इंडस्ट्रीज को बदलने में रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंडस्ट्री 4.0 के महत्व पर जोर दिया और भविष्य की औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार स्किल बढ़ाने की अहमियत बताई। एमएसएमइ आगरा से आए एक अन्य विशेषज्ञ मनीष वर्मा ने स्टार्टअप, एंटरप्रेन्योर्स, रिसर्चर्स और छात्रों की मदद करने वाली विभिन्न एमएसएमइ सरकारी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्किल डेवलपमेंट, इनक्यूबेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, प्रोडक्ट डिजाइन, आर्थिक सहायता और एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने से जुड़े अवसरों के बारे में बताया। संस्कृति यूनिवर्सिटी के 65 फैकल्टी सदस्यों, बड़ी संख्या में छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स और नए उद्यमियों ने पूरे उत्साह के साथ इस कार्यशाला में भाग लिया।

शिक्षा मित्रों ने दिवंगत शिक्षा मित्रों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के बैनर तले जनपद के शिक्षा मित्रों ने वट वृक्ष कलेक्ट्रेट पर एकत्रित होकर 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट के द्वारा शिक्षा मित्रों का समायोजन रदद् किये जाने के बाद और सरकार की उदासीनता से प्रभावित होकर जान गवाने वाले शिक्षा मित्रों को याद करने के लिए मोमबत्ती जलाकर और 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला अधिकारी मथुरा की अनुपस्थिति में उपजिलाधिकारी न्यायिक अश्वनी कुमार को सौंपा।

संघ के जिला अध्यक्ष खेमसिंह चौधरी ने कहा कि 25 जुलाई 2017 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षा मित्रों का समायोजन रदद् होने के बाद आज तक जनपद सहित पूरे प्रदेश में लगभग 15 हजार शिक्षा मित्र अवसाद में आकर आत्म हत्या, आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण इलाज न करा पाने के कारण गम्भीर बीमारियों से अपनी जान गवा चुके हैं , शिक्षा मित्र हर वर्ष इस दिन को काले दिवस के रूप में मनाते हैं और अपने दिवंगत साथियों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं ।

आज इसी क्रम में हमने अपने साथियों को श्रद्धांजलि सभा आयोजित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है साथ ही हमने शिक्षा मित्रों की मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डीएम सर को सौंपा है। जिसमें प्रमुख मांग है कि दिवंगत शिक्षा मित्रों को उचित आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए उनके परिवार के किसी एक सदस्य को उसकी योग्यता अनुसार नोकरी दी जाए।

ज्ञापन और श्रद्धांजलि देने वालों में दीपक गुप्ता, ठाकुर योगेंद्र सिंह, रामकुमार चौधरी, जगराज गुर्जर, राजकुमार चौधरी, तेजवीर सिंह, बनी सिंह, चन्द्रमोहन, उदय सिंह, कुसुमलता, मधुबाला संगीता, शिवकुमार शर्मा, आदि दर्जनों शिक्षा मित्र रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पर्यटन मंत्री ने किया तैयारियों का जायजा

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को जनपद के लिए ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की पावन भूमि पर मुख्यमंत्री का आगमन सौभाग्य की बात है, मुख्यमंत्री अपने दौरे के दौरान जनपद को विकास की अनेक महत्वपूर्ण सौगातें देंगे तथा विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। उन्होने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर जन-प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा करते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल, व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जायें। उन्होंने कहा कि जनपदवासियों में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे, उनका विवरण कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक किया जाएगा, इनमें सैकड़ों करोड़ रुपयों की विकास योजनाएं शामिल हैं, जो मैनपुरी के विकास को नई दिशा देंगी। उन्होने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा जनपद के लिए यादगार साबित होगा तथा प्रदेश सरकार की विकास और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने पर्यटन मंत्री को तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि मा. मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जायेंगी, कार्यक्रम के दौरान जिन परियोजनाओं, कार्यों के शिलान्यास, लोकार्पण होने हैं, उनकी सूची तैयार कर ली गयी है, जिन लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाना है, उनकी भी सूची तैयार की जा चुकी है।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद शाहा, मुख्य विकास अधिकारी नेहा बंधु, अपर जिलाधिकारी श्यामलता आनन्द, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण ए.के. अरूण, डालचन्द भूकेश, धनुषधारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत अनिल वर्मा, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश बघेल, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका बुद्धि प्रकाश, जिला क्रीड़ा अधिकारी साधना सिंह के अलावा जिलाध्यक्ष ममता राजपूत, प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, उदय चौहान, अमित गुप्ता सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी आदि उपस्थित रहे।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं,

भाजपा ने बताया नैतिक निर्णय, सपा ने छात्र आंदोलन की जीत कहा

ऋषीकान्त दुबे।

करहल। जंतर-मंतर पर छात्रों के धरना-प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इस्तीफे को लेकर अलग-अलग विचार सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि छात्रों के आंदोलन और शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठे विवादों के बीच उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया।

भाजपा नेता जिला उपाध्यक्ष गौरब यादव ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा उनकी नैतिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा छात्रों के हितों को सर्वोपरि मानती है और सरकार शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा जिला मंत्री व सभासद उदयवीर कश्यप ने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे पर अनावश्यक राजनीति कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने समय-समय पर परीक्षा सुधार और पारदर्शिता के लिए कई कदम उठाए हैं तथा आगे भी सुधार जारी रहेंगे।

भाजपा कार्यकर्ता दीपू राठौर का कहना है कि किसी भी मंत्री का पद से हटना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। इससे जांच और सुधार की प्रक्रिया और अधिक निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ सकेगी।

समाजवादी पार्टी के नेता ग्राम पंचायत सौज के प्रधान अवधेश यादव ने कहा कि यह छात्रों के लंबे संघर्ष और लोकतांत्रिक आंदोलन की जीत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार पहले छात्रों की मांग सुन लेती तो स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती।

सपा नेता पूर्व प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि संजीव यादव संजू ने कहा कि इस्तीफा केवल शुरूआत है।

सरकार को शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार करने चाहिए ताकि भविष्य में छात्रों को ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े।

सामाजसेवी कवीर यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता और छात्रों की आवाज को गंभीरता से सुनना आवश्यक है। उनका मानना है कि इस्तीफा किसी समस्या का अंतिम समाधान नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और भरोसा बहाल करने के लिए ठोस सुधार किए जाने चाहिए।

पर्यटन मंत्री ने सुनी फरियादियो की फरियाद, दिए तत्काल निस्तारण के निर्देश

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने ट्रांजिस्ट हॉस्टल में जन-शिकायतें सुनने के दौरान कहा कि किसी भी फरियादी को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें, सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा, गुणवत्ता के साथ निस्तारण करें। उन्होने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध, गुणवत्तापरक निराकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में हैं इसलिए शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोताही न बरती जाये। उन्होने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर अनाधिकृत कब्जा को राजस्व, पुलिस विभाग गंभीरता से ले, मौके पर जाकर तत्काल अनाधिकृत कब्जा हटवाये जायें। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, ग्रामीण में कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ पाने से वंचित न रहे, दिव्यांग, आय, जाति, मूल निवास प्रमाण पत्र समय से जारी हों, प्रमाण पत्र समय से जारी न होने के कारण कुछ लोगों को योजनाओं का लाभ पाने के लिए असुविधा का सामना करना पड़ता है, संबंधित अधिकारी रुचि लेकर समय से आय, जाति, दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करायें। उन्होने कहा कि शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक साफ-सफाई, कूड़ा उठान की समुचित व्यवस्था रहे, वर्षा के कारण कहीं भी जल-भराव की स्थिति उत्पन्न न हो, सुनिश्चित किया जाये। उन्होने अधिशाषी अधिकारी नगर निकाय, जिला पंचायत राज अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि आपस में समन्वय स्थापित कर वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करें, नालियों की नियमित सफाई हो, नियमित रूप से एंटीलार्वा, फॉगिंग का छिड़काव कराया जाये।

इस दौरान उप जिलाधिकारी सदर श्याम प्रताप सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर अशोक सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली फतेह बहादुर सिंह, विद्युत विभाग से लालू जादौन के अलावा पूर्व जिलाध्यक्ष शिवदत्त भदौरिया, अर्जुन चौहान, प्रवेश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

खाद्य विभाग की जिले में व्यापक कार्यवाही जारी, 20 नमूनें किए संग्रहित

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र० व जिलाधिकारी के आदेश पर सहायक आयुक्त खाद्य चन्दन पाण्डेय द्वारा गठित टीमों द्वारा छापामार कार्यवाही निरन्तर जारी है, इससे हड़कंप मचा हुआ है। एक टीम द्वारा प्रातः बटेश्वर रोड़ ग्राम नसीरपुर पर जनपद में सप्लाई हेतु आ रहे वाहन के ड्राईवर हरेन्द्र शर्मा निवासी फरेरा जिला आगरा से कुल 02 पनीर के नमूनें संग्रहित किये गये। वहीं एक अन्य टीम द्वारा टूण्डला स्थित डेयरी से संदह के आधार पर खोया का नमूना लिया। इसके साथ ही जनपद में विभिन्न टीमों द्वारा मिश्रित दूध के अगल-अगल क्षेत्रों से कुल 10 नमूनें जॉच हेतु संग्रहित किये गयें हैं । वहीं वर्षा ऋतु के दृष्टिगत, जल्द खराब होने वाली मिठाईयों के कुल 02 नमूनें लिये गए । इधर बड़ा बाजार शिकोहाबाद स्थित खाद्य प्रतिष्ठान से 05 नमूनें धी के भी संग्रहित किये गये। टीम में चन्दन पाण्डेय के अलावा प्रभारी मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश चन्द्र, खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप कुमार, विनोद वर्मा, जितेन्द्र कुमार सिंह, अरूण कुमार, डा० मनोज कुमार शामिल रहे।

इस मौके पर चंदन पाण्डे ने बताया कि अभियान में वैज्ञानिक अध्ययन हेतु 50 सर्विलांस नमूनें भी संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे गयें। सर्विलासं नमूनें खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के आदेश पर किये जा रहे है इसका उदेश्य नमूना संग्रहित कर जॉच उपरान्त खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का ट्रेन्ड पता करना है। वही कावडं मार्ग पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता हेतु कुल 10 सर्विलासं नमूनें लिये गयें।

सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वारा एक चेक लिस्ट जारी की गयी है जिसके आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा कांवड़ मार्ग पर दुकानों एवं भण्डारों का सघन निरीक्षण किया जाये ।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन, ब्रजेश चौबे बने पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिलाध्यक्ष

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के तत्वावधान में शनिवार को वार्षिक बैठक एवं सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, पराक्रम और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च बलिदान को नमन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भोगांव विधायक एवं पूर्व केबिनेट मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री रहे। इस अवसर पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ब्रजेश चौबे ने मुख्य अतिथि का फूलमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। वहीं ब्लॉक प्रमुख मुनेश चौहान तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता एवं प्रांत महासचिव राजेश जी का भी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष ब्रजेश चौबे ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान का प्रतीक है। वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में दुश्मन को परास्त कर देश की सीमाओं की रक्षा की थी। यह दिन उन अमर शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और युवा पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का अवसर है।

समारोह में अरविंद चौहान,धीरेन्द्र चौहान,हनुमत सिंह,देवेंद्र मिश्रा चंद्रपाल सिंह, महेश सिंह, सहित संगठन के सैकड़ों पदाधिकारी, पूर्व सैनिक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामनरेश अग्निहोत्री ने शहीदों के बलिदान को देश के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि उनका त्याग सदैव स्मरणीय रहेगा और राष्ट्र उनके प्रति सदैव ऋणी रहेगा।

इन्सपायर अवार्ड योजना हेतु आईडिया बॉक्स स्थापित करके 05 सर्वश्रेष्ठ विचारों का कराएं नामांकन:- अश्वनी जैन

फिरोजाबाद। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा सत्र 2026-2027 के इन्सपायर अवार्ड मानक योजना की पोर्टल की साइट विद्यार्थियों के नामांकन के लिए खुल चुकी है। जिसकी अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2026 है।

जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय द्वारा जनपद के सभी बोर्डों के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों को इन्सपायर अवार्ड मानक योजना में कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के सर्वश्रेष्ठ 05 विचारों को ऑनलाइन नामांकन के लिए अनिवार्यत करने के लिए निर्देशित किया हैं।

इन्सपायर अवार्ड मानक योजना के जिला सह नोडल अधिकारी अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि सर्वप्रथम विद्यालय में आईडिया बॉक्स स्थापित करके आईडिया प्रतियोगिता कराकर 05 सर्वश्रेष्ठ विचारों का नामांकन ऑनलाइन पोर्टल पर करना है।

पीड़ित ने सीएम योगी से लगाई न्याय की गुहार, डीएम के शपथपत्र के बावजूद नहीं मिला पुश्तैनी जमीन का कब्जा

टीएनएफ टुडे, करहल/मैनपुरी।

करहल तहसील क्षेत्र के ग्राम नवाटेड़ा निवासी एक ग्रामीण ने अपनी पुश्तैनी जमीन के विवाद को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है। मुख्यमंत्री को भेजे गए तीन पृष्ठों के शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि उसके पक्ष में कई न्यायिक एवं प्रशासनिक आदेश होने के बावजूद आज तक उसे जमीन पर कब्जा नहीं दिलाया गया। इतना ही नहीं, तत्कालीन जिलाधिकारी अंजनी कुमार द्वारा न्यायालय में दायर शपथपत्र (एफिडेविट) में भी संबंधित भूमि को शिकायतकर्ता की बताने का उल्लेख किया गया है, लेकिन इसके बावजूद राजस्व विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

शिकायतकर्ता के अनुसार गाटा संख्या 561 उसकी पुश्तैनी भूमि है, जिसका चकबंदी के दौरान निस्तारण हो चुका है और राजस्व अभिलेखों में भी उसका नाम दर्ज है। इसके बावजूद विरोधी पक्ष भूमि पर कब्जा किए हुए है। उसने आरोप लगाया कि वर्ष 1979 से चले आ रहे इस विवाद में चकबंदी न्यायालय, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी तथा अन्य सक्षम अधिकारियों ने समय-समय पर उसके पक्ष में आदेश पारित किए, लेकिन उनका पालन नहीं कराया गया।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि तत्कालीन जिलाधिकारी अंजनी कुमार ने न्यायालय में दाखिल अपने शपथपत्र में भी विवादित भूमि को शिकायतकर्ता की भूमि बताया था। इसके बावजूद राजस्व अधिकारियों ने न तो मौके पर कब्जा दिलाया और न ही उच्च अधिकारियों के आदेशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया।

पीड़ित का आरोप है कि वह एसडीएम, जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों के समक्ष कई बार प्रार्थना पत्र दे चुका है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। उसने कुछ अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ग्रामीण ने पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा न्यायालयों और प्रशासनिक आदेशों का पालन कराते हुए उसकी पुश्तैनी भूमि पर कब्जा दिलाने की मांग की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि उसे न्याय मिलने की उम्मीद अब मुख्यमंत्री से ही है।

एक हफ्ते के प्यार ने दिलाए सात फेरे, मोटामल महाराज को साक्षी मानकर प्रेमी युगल ने रचाई शादी

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल का प्रसिद्ध मोटामल मंदिर अब केवल आस्था का ही नहीं, बल्कि प्रेम और विश्वास का भी केंद्र बनता जा रहा है। शनिवार को यहां एक प्रेमी युगल ने परिवार की सहमति से मोटामल महाराज को साक्षी मानकर एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न किया।

बताया गया कि करहल क्षेत्र के निकटवर्ती गांव झिंगुपुर में कुछ दिन पहले आयोजित एक शादी समारोह के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। मुलाकात जल्द ही प्रेम में बदल गई और करीब एक सप्ताह बाद दोनों ने अपने-अपने परिवारों को इस रिश्ते के बारे में बताया। परिवारों की सहमति मिलने पर मोटामल मंदिर में विवाह कराने का निर्णय लिया गया।

विवाह के दौरान दूल्हा अवनीश यादव पुत्र राम नरेश यादव निवासी नगला कथूले, करहल (मैनपुरी) तथा दुल्हन नीतू यादव पुत्री जितेंद्र यादव निवासी बुआपुर, इकदिल (इटावा) ने एक-दूसरे के गले में वरमाला पहनाकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। मंदिर परिसर में मौजूद परिजनों और शुभचिंतकों ने नवदंपति को आशीर्वाद देकर उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

दूल्हे के पिता राम नरेश यादव ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक एवं सादगीपूर्ण विवाह समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। इससे अनावश्यक खर्च की बचत होती है और परिवारों के बीच आपसी सौहार्द भी बढ़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में निरंतर होते रहने चाहिए।

विवाह समारोह के दौरान दोनों पक्षों के परिजनों में खुशी का माहौल रहा। मोटामल महाराज के दरबार में संपन्न हुए इस विवाह की क्षेत्र में चर्चा बनी रही और लोगों ने नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर रामनरेश यादव, गौरब यादव, सुदेश यादव, ब्रमरेश यादव, रिंकू यादव, हिमांशू, रोहित, विजयपाल, गौरब यादव, जितेन्द्र यादव समेत आदि तमाम लोग मौजूद रहे।

कावड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और निर्विघ्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से विभिन्न मार्गों का निरीक्षण किया

टीएनएफ टुडे, फिरोजाबाद।

कावड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और निर्विघ्न कराने के उद्देश्य जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने संयुक्त रूप से विभिन्न मार्गों का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा, बिजली, सड़क और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की, निरीक्षण के दौरान एक्स0ई0एन हाइडल सिरसागंज को सख्त निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा की कावड़ मार्ग के ऊपर से गुजर रहे ढ़ीले व लटकते बिजली के तारों का तत्काल कसकर सही कराया जाए, जिससे किसी भी दुर्घटना की संभावना न रहे।

एक्स0ई0एन पीडब्ल्यूडी को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क के दोनों और दोनों किनारो पर भी झाड़ियां एवं कटाई-छटाई का काम पूर्ण रूप से और समय से कराया जाए, ताकि मार्ग चौड़ा और स्पष्ट दिखें और कावड़ियों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो।

निरीक्षण के दौरान शिकोहाबाद-नसीरपुर मार्ग पर अवगत कराया गया की कावड़ यात्रियों की सुविधा के लिए इस मार्ग पर चार शिविर लगाए गए है। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को भी निर्देश दिए कि वह लाइट इत्यादि की व्यवस्था करें, जिससे मार्ग पर अंधेरा न रहे और शिव भक्त कावड़ियें निर्बाद्ध रूप से अपनी यात्रा पूरी कर सकें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा की कावड़ यात्रा की व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही में नहीं होगी, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रूट डायवर्जन करने के लिए होर्डिंग लगाए जाने के निर्देश दिए, जिससे नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, जिलाधिकारी में शिकोहाबाद-नसीरपुर मार्ग व बटेश्वर सिरसागंज मार्ग आदि का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी एक्सईएन पीडब्ल्यूडी, एक्स0ई0एन हाइडल आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

घरेलू विवाद में पत्नी और साली से मारपीट, पुलिस ने आरोपी का 151 में किया चालान

टीएनएफ टुडे, करहल।

करहल कस्बे की टॉकीज वाली गली में घरेलू विवाद के चलते पत्नी और साली के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

जानकारी के अनुसार टॉकीज वाली गली निवासी विकेश पुत्र सुरेश चंद्र का किसी घरेलू बात को लेकर अपनी पत्नी नीलम तथा साली पूनम से विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर विकेश ने दोनों के साथ मारपीट की।

सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से पूछताछ की। शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने आरोपी विकेश पुत्र सुरेश चंद्र के विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।

पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई है तथा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती जा रही है।

डीएम, एसपी ने सावन कांवड़ यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

लहरा गंगा घाट एवं कावड यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

सावन मास की कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन व्यापक तैयारी कर रहा है। शनिवार को डीएम, एसपी ने उद्लहरा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाट परिसर में स्थापित हैंडपंप को स्वयं चलाकर परीक्षण किया तथा अधिशासी अधिकारी को हैंडपंप के आसपास नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने सोरों से लहरा घाट तक संपर्क मार्ग को दुरुस्त कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए । साथ ही उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लहरा घाट क्षेत्र में आवारा पशुओं का प्रवेश किसी भी स्थिति में न होने पाए। निरीक्षण के दौरान लगाए गए वॉच टॉवर की भी जांच कर उसकी उपयोगिता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

- श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा प्रबंध समय से पूर्ण करने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने लहरा घाट पहुंचे कांवड़ यात्रियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा, यातायात एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की जाये।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने तहसील रोड पर चलाया चैकिंग अभियान

33 वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई,लगाया गया जुर्माना

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

एसपी के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रभावी के लिए यातायात पुलिस ने शहर के तहसील रोड पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया, नियमों के उल्लंघन पर वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

तहसीलदार सदर शबलवन्त कुमार उपाध्याय, प्रभारी यातायात लक्ष्मण सिंह द्वारा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज जगदीश चंद्र के साथ संयुक्त रूप से तहसील सदर के बाहर रोड पर अनाधिकृत रूप से खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 33 मोटरसाइकिलों के चालान किए गए जिसमें ऑनलाइन शमन शुल्क रु0 16500.00 अधिरोपित किया गया । साथ ही ठेला ढकेल वालों को रोड से हटवाया गया और उपस्थित आम नागरिकों से अनुरोध किया गया कि रोड पर मोटरसाइकिल ना लगे तहसील सदर के अंदर पार्किंग की व्यवस्था है वाहन पार्किंग में ही खड़ा करें एवं ठेला ढकेल वालों को भी निर्देशित किया गया कि रोड पर ना लगाए इस रोड से स्कूल की छात्राएं व तहसील में आए वादकारियों का आवागमन बना रहता है।

वाहन स्वामियों को चेतावनी दी गई कि यातायात नियमों का पालन करें। सड़क पर जहां तहां वाहन न खड़े करें।

07 बच्चों को अलग अलग दुकानों से किया रेस्क्यू

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

- भिक्षावृत्ति उन्मूलन की रोकथाम को चलाया अभियान
- बाल श्रम विभाग की कई टीमें जुटी अभियान में

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ इलामारन के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक /नोडल अधिकारी अलृळ के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में श्रम परिवर्तन अधिकारी राजबाबू व श्रम परिवर्तन अधिकारी सहायक बबलू सिंह, दीपेंद्र शर्मा व बाल संरक्षण इकाई पंकज यादव, प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटी दलवीर सिंह की संयुक्त टीम ने कई दुकानों पर छापेमारी की। इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के आदेश के अनुपालन में भिक्षावृत्ति उन्मूलन रोकथाम का कड़ाई से पालन करने के सख्त निर्देश दिए।

जनपद स्तर पर अभियान चलाकर बालकों एवं किशोर श्रमिकों के अखिल भारतीय स्तर पर बचाव व पुनर्वास अभियान छेड़ कर छोटे बड़े प्रतिष्ठान, कारखाने, उद्योगों, दुकान, खदानों , ईट भट्टो, निर्माण स्थलों आदि क्षेत्र के निर्माण में बालश्रम/भिक्षावृत्ति के साथ साथ एक युद्ध नशे के विरुद्ध, बचपन बचाओ आन्दोलन का आह्वान किया।थाना कोतवाली नगर के रेलवे रोड व कोतवाली देहात के कासगंज रोड क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थानों होटल ढाबों , कारखानों, व मार्केट की दुकानों आदि स्थानों पर बालश्रम/ बाल भिक्षावृत्ति व नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान की गयी चैकिंग में 07 बच्चों को अलग अलग दुकानों से रेस्क्यू किया गया। किसी भी दशा में 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को काम पर न रखा जाए, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। यह अवधारणा आम जनमानस में बैठा कर इस सम्बन्ध में जागरूक किया। बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु सरकार द्वारा प्रचलित विभिन्न कल्याणकारी /लाभान्वित योजनाओं के बारे में जानकारी भी दी गयी। इसके अलावा इमरजेंसी सहायता हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 108, 112, 1076, 181 आदि के संबंध में अवगत कराया गया।

अज्ञात चोरों ने परचून की दुकान में नकब लगाकर की लाखों की चोरी

शिकोहाबाद। देर रात स्टेशन रोड पर स्थित अज्ञात चोरों ने एक परचून की दुकान से हजारों की नगदी तथा हजारों का सामान चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने चोरी की हुई घटना की जानकारी ली । वहीं दुकानदार ने थाने में चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। राजप्रकाश उर्फ छोटे गुप्ता पुत्र शोभाराम गुप्ता निवासी स्वामी नगर शिकोहाबाद की ए के कालेज के बाहर परचून की दुकान है। वह शुक्रवार की रात 9 बजे अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे। दुकान की बगल में छत पर जाने के सीढ़ी बनी है। उसी के पास से चोरों ने दुकान में नकबजनी कर दुकान में प्रवेश कर गए। इस दौरान चोरों ने दुकान से 1 लाख 20 हजार रुपए की नगदी, करीब 80 हजार रुपए का परचून का सामान चोरी कर ले गए। जब लोगों ने शनिवार की सुबह दुकान के बाहर कुछ सामान पड़ा देखा तो उन्हें चोरी की जानकारी हुई।

जुल्म एवं अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक थी पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी: निषाद पार्टी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

आज शनिवार को मंडी समिति स्थित काशीराम कॉलोनी के पार्क में निषाद पार्टी के शहर अध्यक्ष राजू कश्यप की अध्यक्षता में पूर्व सांसद वीरांगना फूलन देवी के शहादत दिवस को मनाया गया ! इस अवसर पर निषाद पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते हुए उनको नमन कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला । निषाद पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश कश्यप ने इस अवसर पर कहा की फूलन देवी एक नाम नहीं बल्कि संघर्ष का प्रतीक थी , वह एक कहानी नहीं बल्कि एक क्रांति थी , जिन्होंने महिलाओं पर होने वाले जुल्म व अन्याय के खिलाफ अपनी कुबार्नी देकर आवाज बुलंद की।

इस अवसर पर निषाद पार्टी के प्रमुख महासचिव डॉ. सुभाष शाक्य, हरिश्चंद्र कश्यप एडवोकेट, पं. सुभाष उपाध्याय, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह यादव, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती ओमलक्ष्मी, शहर अध्यक्ष कु. सर्वेश गिहार, रवि कश्यप, देवांश वर्धन कश्यप, गौरी शंकर कश्यप, गुलजारीलाल कश्यप, वेद सिंह कश्यप, राम शंकर कश्यप आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

भगवान भी नहीं बचे चोरों से! शिव मंदिर का ताला तोड़ 50

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, एटा।

मारहरा थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि अब भगवान का दरबार भी उनके निशाने पर आ गया है। मिरहची-मारहरा मार्ग पर हजारा नहर के समीप स्थित प्राचीन शिव मंदिर में गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने मंदिर का मुख्य ताला तोड़कर करीब 50 किलो वजन के तीन घंटे चोरी कर लिए। वारदात के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश और दहशत का माहौल है।

शुक्रवार तड़के रोज की तरह शिवभक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करने मंदिर पहुंचे तो मंदिर में घंटियां गायब देखकर उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मंदिर का टूटा ताला और सूना परिसर देखकर श्रद्धालु भड़क उठे। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई।

ग्रामीणों का कहना है कि इतने भारी घंटों को चोरी कर ले जाना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं हो सकता। आशंका जताई जा रही है कि बदमाश पूरी तैयारी के साथ वाहन लेकर पहुंचे और सुनियोजित तरीके से घंटों को उतारकर फरार हो गए। धार्मिक स्थल को निशाना बनाए जाने से लोगों में गहरा रोष है।

शिवभक्त राजपाल, वीरेंद्र सिंह, जयप्रकाश कश्यप सहित अन्य ग्रामीणों ने पुलिस से तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की गिरफ्तारी और चोरी गए घंटों की बरामदगी की मांग की है। लोगों ने कहा कि यदि मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोगों की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर हो रही चोरियां पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। आखिर बदमाश मंदिर का ताला तोड़कर 50 किलो के तीन घंटे आराम से ले गए और किसी को भनक तक नहीं लगी। अब श्रद्धालुओं की निगाहें पुलिस पर हैं कि वह आस्था पर चोट करने वाले इन चोरों को कब सलाखों के पीछे पहुंचाती है।

कांग्रेसियों ने चलाया जन संपर्क अभियान

ग्राम प्रहलादपुर में किसानों और युवाओं की समस्याएं सुनीं

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य मुनेन्द्र पाल सिंह राजपूत ने कांग्रेस कार्यकताओं के साथ ग्राम प्रहलादपुर में जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने किसानों, बेरोजगार युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी दी।

जनसंपर्क के दौरान मुनेन्द्र पाल सिंह राजपूत ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसान बढ़ती कृषि लागत, महंगाई और आवश्यक संसाधनों की कमी से परेशान हैं। ग्रामीणों ने आगामी बुवाई के मौसम को देखते हुए सरकारी केंद्रों पर रासायनिक खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना था कि खाद खरीदने में किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।राजपूत ने अपने संबोधन में राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं और आभूषण चोरी की घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने का वादा पूरा नहीं हुआ और महंगाई पर नियंत्रण करने में भी सरकार विफल रही है।

- किसानों ने महगाई और खाद बीज की समस्या को गिनाया

सेवादल के प्रदेश महासचिव पश्चिमी जोन संगठन एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष गुलफाम सिंह यादव ने भी वर्तमान सरकारों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कार्यक्रम में सुनील कुमार, भूदेव सिंह, गोपाल सिंह, हाकिम सिंह, महेंद्र सिंह, गंगा प्रसाद, परवीन राजपूत और अरबाज अहमद सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

मृतका के परिजनों ने सरकारी नौकरी की मांग को लेकर किया जमकर हंगामा

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, शिकोहाबाद।

- पालिका प्रशासन ने एक लाख की दी मदद, सफाई नायक को सस्पेंड का आश्वासन

मैनपुरी रोड पर ट्रक द्वारा टक्कर मारने से नगर पालिका में तैनात महिला ठेका सफाई कर्मी की शुक्रवार शाम को मौत हो गई थी। इस मामले को लेकर आज शनिवार को पालिका के सभी सफाईकर्मियों तथा मृतक महिला कर्मी के परिजनों ने पालिका में हंगामा कर दिया । इस दौरान मृतका के परिजनों ने पालिका प्रशासन से उनके परिजनों को सरकारी नौकरी , आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की । वहीं दोपहर में सैकड़ों सफाईकर्मियों द्वारा ईओ ऑफिस के बाहर जमकर नारेबाजी की तथा अपनी मांगों को पूरा करने की बात कही। इसके बाद खुद ईओ ने उनके बीच आकर एक लाख की तत्काल आर्थिक सहायता दी। इसके बाद भी कुछ लोगों ने हंगामा जारी रखा। इस पर थाना प्रभारी मय पुलिस फोर्स के पालिका पहुंचे। वहीं चेयरमैन प्रतिनिधि राजीव गुप्ता भी वहां पहुंचे । बाद में आश्वासन पर हंगामा कर रहे कर्मी शांत हुए।

जानकारी के मुताबिक सरोज देवी पत्नी रनवीर सिंह निवासी बोझिया की मैनपुरी रोड पर पानी की टंकी के पास सफाई करने के दौरान एक ट्रक द्वारा रौंद देने के बाद अस्पताल में मौत हो गई थी।

शनिवार को मृतका के परिजनों के साथ सैकड़ों सफाईकर्मियों ने नगर पालिका का घेराव कर हंगामा किया। लोगों का कहना है कि सफाईकर्मी की ड्यूटी लगाने वाले की लापरवाही के कारण महिला की मौत हुई है। उसको तत्काल प्रभाव से निलंबन किया जाए, मृतका के बेटे को सरकारी नौकरी दी जाए। इसके साथ ही परिजनों को आर्थिक मदद दी जाए।

पालिका प्रशासन ने मृतिका के परिजनों की मांग पर तत्काल एक लाख रुपए परिजनों को सौंपकर आगे और मदद का भरोसा दिलाया , साथ ही पालिका के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों का एक दिन का वेतन पीड़ित के परिजनों को देने की बात कही । ईओ ने कहा कि उनके संज्ञान में नहीं कि ठेका कर्मियों को कोई मृतक आश्रित में सरकारी नौकरी का प्रावधान है। अगर कुछ ऐसा शासनादेश होगा तो मृतिका के आश्रित को नौकरी दी जाएगी।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने नवागत ड्रग इंस्पेक्टर का किया अभिनंदन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने नवागत ड्रग इंस्पेक्टर का स्वागत किया। कार्यक्रम शहर के होटल में हुआ।दवा कारोबारियों ने अपनी समस्या रखीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद कुमार वार्ष्णेय ने की। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शर्मा ,महामंत्री सौरभ वार्ष्णेय,उपाध्यक्ष अशोक डांगरा कोषाध्यक्ष अकील अहमद, सहित जनपद के अनेक दवा व्यापारियों एवं प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उपस्थित प्रमुख प्रतिष्ठानों में आदित्य मेडिकल, उपेन्द्र मेडिकल, सुबोध मेडिकल, सुलभ मेडिकल, एस.एम. मेडिकल, ऑल इंडिया मेडिकल, बंधु मेडिकल, यश फार्मा, निदाल मेडिकल तथा प्रताप मेडिकल सहित अन्य प्रतिष्ठान शामिल रहे। एसोसिएशन की ओर से मोहित कुमार का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर हार्दिक स्वागत किया गया। सभी पदाधिकारियों एवं दवा व्यापारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल, पारदर्शी एवं जनहितकारी कार्यकाल की कामना की।

अपने संबोधन में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि मोहित के कुशल नेतृत्व में जनपद कासगंज में औषधि प्रशासन और अधिक सुदृढ़ होगा तथा गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ नियमों का प्रभावी पालन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने औषधि प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कहा कि जनपद के सभी दवा व्यापारी नियमों के अनुपालन, नैतिक व्यापारिक मूल्यों एवं जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

कासगंज-एशबाग-कासगंज ट्रेन का आज होगा शुभारम्भ

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

- केन्द्र सरकार के मन्त्री एवं सांसद, एमएलए दिखाएंगे हरी झंडी
- लखनऊ जाने वाले यात्रियों को होगा लाभ, अब तक नही थी सीधी ट्रेन

यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। कासगंज-, एसबाग- कासगंज ट्रेन का संचालन शुरू होगा, शनिवार को केन्द्र सरकार के मन्त्री रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे

इज्जत नगर मण्डल के पीआरओ ने बताया कि उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार बी. एल. वर्मा एवं वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, जितिन प्रसाद आज शनिवार को कासगंजझऐशबागझकासगंज एक्सप्रेस का शुभारंभ उद्घाटन विशेष गाड़ी संख्या 05018 को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उद्घाटन विशेष गाड़ी संख्या 05018 उज्ञानी रेलवे स्टेशन से दोपहर 12:00 बजे प्रस्थान करेगी तथा बदायूं 12:17 बजे, बरेली 13:10 बजे, इज्जतनगर 13:45 बजे, पीलीभीत 14:45 बजे, पूरनपुर 15:52 बजे, मैलानी 16:55 बजे, गोला गोकरननाथ 17:30 बजे, लखीमपुर 18:05 बजे, सीतापुर 19:15 बजे, सिधौली 19:47 बजे एवं मोहिबुल्लापुर 20:22 बजे से होकर ऐशबाग जंक्शन 21:10 बजे पहुँचेगी।

यह उद्घाटन विशेष ट्रेन 16 एलएचबी कोचों से संचालित होगी, जिसमें 01 पावर कार, 01 एसएलआर, 04 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 09 नॉन-एसी चेयर कार तथा 01 वातानुकूलित चेयर कार शामिल हैं।

इस नई रेल सेवा के प्रारंभ होने से छात्रों, किसानों, व्यापारियों, नौकरीपेशा यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुरक्षित, तेज एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही बरेली, बदायूं, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर तथा लखनऊ क्षेत्र के बीच आवागमन सुगम होने से क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा एवं सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि द्वारा जनपद में व्यापक कार्यवाही जारी, कुल बीस नमूनें संग्रहित

फिरोजाबाद। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ०प्र० व जिलाधिकारी फिरोजाबाद के आदेश पर सहायक आयुक्त चन्दन पाण्डेय द्वारा गठित टीमों द्वारा छापामार कार्यवाही निरन्तर जारी है, जिसके क्रम में कृत कार्यवाही का विवरण।एक टीम द्वारा प्रातः सुबह बटेश्वर रोड़ ग्राम नसीरपुर पर जनपद में सप्लाई हेतु आ रही वाहन के ड्राईवर हरेन्द्र शर्मा निवासी फरेरा आगरा से कुल 02 पनीर के नमूनें संग्रहित किये गये।एक टीम द्वारा टूण्डला स्थित डेयरी से संदह के आधार पर खोया का नमूना लिया।जनपद में विभिन्न टीमों द्वारा मिश्रित दूध के अगल-अगल क्षेत्रों से कुल 10 नमूनें जॉच हेतु संग्रहित किये गये।

साहित्य, संस्कृति और विचारों का समागम

'कला मंथन' में उठी ब्रज के अस्तित्व की चिंता

पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव और आधुनिकता की होड़ पर साहित्यकारों का कड़ा प्रहार

समय से बड़ा बलवान कोई नहीं होता जब परिवर्तन को एक सदी से जी रहा व्यक्ति इस हिसाब से देखे कि जितना प्रभाव यहाँ पड़ रहा है उतना ही हमारा उनके यहाँ पड़ा है वह इसे लेमार्क और डा र्विं न के विकास के सिद्धांत से जोड़ एक नारा विशेष बंधुत्व का लगाने लगें तो हमें उनके विचारों का स्वागत ही करना चाहिए। ऐसा संदेश परक विचार टी एन एफ टुडे के कला मंथन के साप्ताहिक विचार प्रवाह के विषय से निर्णय के रूप में उभर के आया। जो था अद्धयक्षा कर रहे प्रख्यात साहित्यकार डॉक्टर राजेंद्र मिलन का।

टीएनएफ टुडे, ताजनगरी (आगरा)। कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषा विज्ञान विद्यापीठ (के.एम.आई.), डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 'सूरकक्ष' में शुक्रवार को साहित्य, संस्कृति और विचारों का अनोखा समागम देखने को मिला। 'टीएनएफ टुडे' (TNF Today) और के.एम.आई. विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक वैचारिक एवं सांस्कृतिक श्रृंखला 'कला मंथन' के तीसरे पुष्प (तृतीय सत्र) का आयोजन अत्यंत गरिमामयी माहौल में संपन्न हुआ।

इस बार के सत्र में "पाश्चात्य सभ्यता में उजड़ता ब्रज: हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार" जैसे ज्वलंत विषय पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में ब्रज क्षेत्र के प्रख्यात साहित्यकारों, कवियों, शिक्षाविदों और विचारकों ने शिरकत की और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण के कारण ब्रज की मिटती पहचान पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

सांस्कृतिक पतन पर चिंतन और समाधान की पुकार

वैचारिक सत्र में मुख्य अतिथि एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान की पूर्व निदेशक डॉ. बीना शर्मा ने युवा पीढ़ी को दोष देने के बजाय उन्हें सही दिशा और माहौल देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी संस्कृति तब उजड़ती है जब समाज अपनी भाषा, खान-पान और लोक परंपराओं से मुंह मोड़ लेता है। उन्होंने विशेष रूप से ब्रज के लुप्त होते लोकगीतों को सहेजने के लिए मातृशक्ति की भूमिका को रेखांकित किया।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. राजेन्द्र मिलन और विशिष्ट अतिथि डॉ. सुषमा सिंह ने भाषा के शुद्ध स्वरूप को बनाए रखने की बात कही। वहीं, वरिष्ठ कवि राज बहादुर सिंह 'राज' ने साहित्यिक ब्रजभाषा और क्षेत्रीय बोलियों के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि केवल बोलचाल में सीमित रहने के बजाय ब्रजभाषा को पढ़ने और लिखने के अभ्यास में लाना अनिवार्य है। उन्होंने बॉलीवुड और आधुनिक मनोरंजन माध्यमों द्वारा पारंपरिक लोकगीतों और वैवाहिक संस्कारों को पहुँचाए गए नुकसान पर भी प्रकाश डाला।

काव्य-पाठ के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों और बदलावों पर तीखे प्रहार

विचार सत्र के उपरांत आयोजित भव्य काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी पैनी रचनाओं के माध्यम से आधुनिक समाज, बदलते रिश्तों और खोते संस्कारों पर तीखे कटाक्ष किए:

सामाजिक विघटन और पारिवारिक मूल्यों पर चिंता: कवि प्रभुदत्त उपाध्याय ने अपनी रचना के जरिए आधुनिक समाज में घटती सहनशीलता और पवित्र रिश्तों में आ रही दरारों को रेखांकित किया। वहीं, महेश चंद्र शर्मा 'गोपाली' ने ब्रज की संत-परंपरा और संतों की सादगी का उदाहरण देते हुए आज के दिखावटी धार्मिक परिवेश और व्यावसायिकता पर कड़ा प्रहार किया।

पाश्चात्य जीवनशैली और आधुनिक प्रेम पर कटाक्ष: कवयित्री रमा वर्मा 'श्याम' ने अपनी व्यंग्यपूर्ण काव्य रचना के माध्यम से युवा पीढ़ी में बढ़ते 'चॉकलेट कल्चर', पार्क संस्कृति और दिखावे के प्रेम पर तंज कसा। उन्होंने रेखांकित किया कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर युवा भारतीय पारिवारिक मूल्यों और वास्तविक रिश्तों की मिठास को भूलते जा रहे हैं।

सिनेमा और भाषा की उपेक्षा: कवि राजीव शर्मा 'निष्प्रय' ने अपनी प्रस्तुति में इस बात पर जोर दिया कि ब्रजवासी स्वयं अपनी भाषा बोलने में झिझक महसूस करते हैं, जिसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने फिल्मों द्वारा संस्कृति के क्षरण पर भी चिंता जताई।

शहरीकरण और ब्रज का बदलता भूगोल: ब्रजभाषा के मर्मज्ञ नीरज शास्त्री ने रियल एस्टेट के बढ़ते प्रभाव और कंक्रीट के जंगलों के कारण द्वापर युगीन ब्रज के प्राकृतिक सौंदर्य के लुप्त होने का मुद्दा उठाया। साथ ही, उन्होंने उत्तर प्रदेश में 'ब्रजभाषा अकादमी' के गठन की दिशा में हो रहे प्रयासों और मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं की जानकारी दी।

संस्कार और बाल-साहित्य: आचार्य उमाशंकर शास्त्री ने युवाओं में चरित्र निर्माण के लिए स्वामी विवेकानंद के विचारों को अपनाने तथा विद्यालयों में ब्रजभाषा के बाल-साहित्य को शामिल करने का सुझाव दिया। कवि राकेश निर्मल ने मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कवियों को आगे आने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकल्प

कार्यक्रम का कुशल संयोजन ब्रजभाषा काव्य मंच के अध्यक्ष डॉ. रामेंद्र शर्मा 'रवि' ने किया। आयोजन के अंत में ळठऋळङ्क्ष्ट के संस्थापक एवं मुख्य संपादक श्री धीरज शर्मा तथा विद्यापीठ परिवार की ओर से सभी नवागंतुक अतिथियों, कवियों और कला-प्रेमियों का आभार व्यक्त किया गया।

उपस्थित सभी विद्वानों ने एक स्वर में यह निष्कर्ष निकाला कि आधुनिकता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों, संस्कारों और मातृभाषा की कीमत पर नहीं। कार्यक्रम का समापन 'जय ब्रज वसुंधरा' और 'राधे-राधे' के उद्घोष के साथ हुआ।

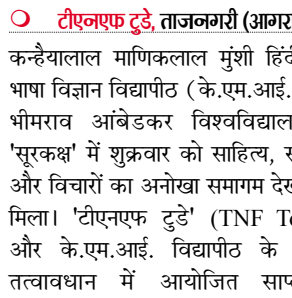

हम इस बात को क्यों भूल जाते हैं कि हमारी ब्रज संस्कृति का प्रभाव पाश्चात्य सभ्यता पर भी पड़ा है।समय के साथ आने वाले बदलावों का हमें स्वागत करना चाहिए, बहिष्कार नहीं। अगर संस्कृति को बचाना है, तो सबसे पहले अपनी भाषा को बचाना होगा। हमें ब्रजभाषा का व्यापक प्रचार-प्रसार करना चाहिए और उत्तर प्रदेश सरकार को एक विशेष प्रकोष्ठ (सैल) का गठन करना चाहिए, जहाँ से ब्रजभाषा के उत्थान के लिए योजनाबद्ध तरीके से ठोस कार्य हो सकें।

-डॉ. राजेन्द्र मिलन
(वरिष्ठ कवि व अध्यक्ष, कला मंथन)

हमें केवल युवा पीढ़ी को दोष देने के बजाय उन्हें सही दिशा और माहौल देने की जरूरत है। कोई भी संस्कृति या क्षेत्र तब उजड़ता है, जब हम अपना खान-पान, अपनी बोली-भाषा और सामाजिक ढांचा बदल देते हैं। आज सबसे बड़ा संकट ब्रज के लोकगीतों के लुप्त होने का है, और इन्हें संभालकर रखने की मुख्य जिम्मेदारी हमारी मातृशक्ति पर है।

-डॉ. बीना शर्मा
(मुख्य अतिथि व पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान)

पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने हमारी नई पीढ़ी को जड़ों से काट दिया है।
'नकली खोये ने किया ऐसा बंटाधार, रसगुल्लों को छोड़कर चॉकलेट से प्यार...'
आज पार्क संस्कृति और दिखावे के प्रेम ने भारतीय पारिवारिक मूल्यों और वास्तविक आत्मीयता को चोट पहुँचाई है। हमें अपने बच्चों को यह याद दिलाना होगा कि ये रिश्ते ही हमारी असली दौलत हैं।

-कवयित्री रमा वर्मा

आधुनिकता के नाम पर समाज में पनप रही कुरीतियों और गलत परंपराओं को समाप्त करने की सख्त आवश्यकता है। हमें अपनी संस्कृति की जो अच्छी प्रथाएं और संस्कार हैं, उन्हें ही आगे बढ़ाना होगा। जब हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करेंगे, तभी एक सभ्य और सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

-डॉ. सुषमा सिंह (विशिष्ट अतिथि)

आंचलिक बोलियों और साहित्यिक ब्रजभाषा में अंतर होता है; बोलियों के अति-प्रयोग से साहित्यिक ब्रजभाषा को नुकसान पहुँच रहा है। आज लेडीज संगीत के नाम पर ढोलक और पारंपरिक लोकगीत गायब हो चुके हैं और फिल्मी गानों ने जगह ले ली है। अगर हम वाकई ब्रजप्रेमी हैं, तो हमें अपनी दैनिक दिनचर्या और बोलचाल में ब्रजभाषा को वापस लाना होगा।

-राज बहादुर सिंह 'राज'
(वरिष्ठ कवि एवं विशिष्ट अतिथि)

कोई भी संस्कृति पूरी तरह बुरी नहीं होती; युवा पीढ़ी को पाश्चात्य सभ्यता से केवल अच्छी बातें ग्रहण करनी चाहिए।
'घर से बाहर निकलो लोगों से मिलो बाजार में, वो भी पढ़ना सीखो जो छपता नहीं अखबार में...'
अगर हमारी सांस्कृतिक जड़ें मजबूत होंगी, तो आधुनिकता की हवाएं हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकतीं।

-राकेश निर्मल (कवि)

ब्रजभाषा को केवल राधा-कृष्ण के पदों तक सीमित न रखकर इसे विद्यालयों के बाल-साहित्य और समाचार पत्रों में भी स्थान मिलना चाहिए। युवाओं को स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों को अपना आदर्श बनाना चाहिए ताकि भौतिक विकास के साथ-साथ उनके चरित्र और बौद्धिकता का भी निर्माण हो सके।

-आचार्य उमाशंकर पाराशर
(साहित्यकार)

आज समाज में रिश्तों की पवित्रता और सहनशीलता खत्म होती जा रही है।
'जमाना कैसा आया रे... प्रेमी के संग मिलकर अब तो मार रही भरतार, हम भूल रहे संस्कार...'
अगर हम अपने पारिवारिक संस्कारों को भूल जाएंगे, तो झूठे प्यार के आवरण में हमारी सांस्कृतिक नींव कमजोर हो जाएगी।

-प्रभुदत्त उपाध्याय (वरिष्ठ कवि)

मूल रूप से भोजपुरी भाषी होने के बावजूद, आगरा में रहते हुए मुझे ब्रज भाषा, यहाँ के संस्कारों और संस्कृति से अगाध प्रेम व लगाव हो गया है। जब हम अपनी जड़ों, जीव-दया और पर्यावरण से जुड़ेंगे, तभी हमारी संस्कृति का सच्चा संरक्षण संभव है।

-राकेश शुक्ला
(समाज सेवी)

कंक्रीट के जंगलों और रियल एस्टेट के व्यापार ने द्वापर युगीन ब्रज के प्राकृतिक स्वरूप को उजाड़ दिया है। इसके अलावा, ब्रजभाषा बोलने के लिए हमें अभ्यास और स्वभाव में नरमी लानी होगी। उत्तर प्रदेश में ब्रजभाषा अकादमी के गठन के लिए सैकड़ों साहित्यकारों के ज्ञापन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने घोषणा की है, जिस पर कार्य जारी है।

-नीरज शास्त्री (ब्रजभाषा मर्मज्ञ)

टीएनएफ टुडे के कला मंथन मंच के द्वारा बृज क्षेत्र और भाषा को जो मौका दिया वह नई परम्परा की शुरूआत है। समूचे बृज में इस बात की खुशी जताई गई है कि अब बृज के दिन बहुरेंगे। रामेंद्र शर्मा रवि ने सभी विचारों को आगे के दिनों मे समीक्षा करने कराने की योजना भी बताई तथा अखबार मे बृज भाषा में कालम लिखे जाने के प्रस्ताव की प्रशंसा की।

-रामेंद्र शर्मा रवि